ubZ fnYyh {k;jksx dsUnz

okf"kZd fjiksVZ
2018&2019

tokgj yky usg# ekxZ
ubZ fnYyh & 110002

fo"k; lph

okf"kd fjikV

2018&2019

	पृ॰सं॰
अध्यक्षीय संदेश	3
निदेशक की कलम से	4
संस्थान के सबंध में	5
प्रबंधन समिति	6
वैज्ञानिक सलाहकार समिति	7
नैतिक समिति	8
वरिष्ठ कर्मचारीगण	9
अनुसंधान एवं प्रकाशन	10
वैज्ञानिक कार्यक्रमों मे भागीदारी	16
बैठकें	29
नैदानिक अनुभाग	37
जनपादिक अनुभाग	40
जनस्वास्थ्य अनुभाग	41
माइक्रोबैक्टीरियल प्रयोगशाला	45
प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग	50
निरीक्षणात्मक कार्य	59
पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	60
प्राशासनिक अनुभाग	60
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार	64
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	

अध्यक्ष का संदेश

यह देख कर अत्यंत हर्ष और गर्व होता है कि नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एनडीटीबीसी) 1940 अपनी स्थापना के समय से ही निरंतर प्रगति कर रहा है। टीबी तथा सांस संबंधी अन्य रोगों से पीडित रोगियों की सेवा कर रहे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में आज इस केन्द्र का गौरवपूर्ण स्थान है।

केन्द्र ने क्षयरोग के अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए निरंतर अपनी पहचान बनाए रखी है। केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने केन्द्र को सम्मानित किया है और उसे दिल्ली राज्य के लिए राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण केन्द्र के तौर पर मान्यता दी है। केन्द्र की प्रयोगशाला को भी इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में नामित किया गया है।

संस्थान राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ के समन्वय से आरएनटीसीपी गतिविधियों में शामिल रहा है। यह दिल्ली राज्य में क्षयरोग के मामलों में अधिसूचनाओं को बढ़ावा देने में भागीदार रहा है। संस्थान के संकाय और स्टाफ ने राष्ट्रीय स्तर पर क्षयरोग नियंत्रण को वैज्ञानिक एवं तकनीकी से सुदृढ़ करने में महत्तवपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

मैं एनडीटीबी केन्द्रकी प्रबुद्ध फैकल्टी, तकनीकी स्टाफ, और सभी कर्मचारियों का उनके समर्पण और आरएनटीसीपी के लक्ष्य हासिल करने में निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता हूं। मैं कामना करता हूं कि केन्द्र क्षयरोगियों को बेहतर तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अपना अधिक से अधिक विस्तार करे, विविधता लाए तथा उन्नति करे।

मेरा इस बात के लिए पूर्ण सहयोग रहेगा कि केन्द्र नए प्रतिमान तथा लक्ष्यों को हासिल करे।

डा एल एस चौहान
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एनडीटीबीसी) ने क्षयरोग और सांस संबंधी रोगों के क्षेत्र में काम करते हुए अपनी 79 वर्षो की अपनी शानदार यात्रा पूरी की है। भारत में क्षयरोग नियंत्रण में प्रगति के प्रत्येक चरण में इसने अपने उपस्थिति प्रमुखता से दर्ज कराई है। कीमोथेरेपी से पहले के काल में क्षयरोग के नियंत्रण के लिए केन्द्र में कृत्रिम न्यूमो थोर और न्यूपरथेनेनिक का प्रयोग किया जाता था। कीमोथेरेपी आने के बाद के समय में केन्द्र ने ओएचटी लाने तथा बहुराष्ट्रीय अध्ययन के अंग के रूप में दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन कीमोथेरेपी उपचार विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इस काल के दौरान प्रसिद्ध आईसीएमआर के लिए छः बड़े स्थानों में से एक था जिसने रोग की व्यापत्ता पर प्रथम राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया था। आरएनटीसीपी काल के दौरान केन्द्र ने दिल्ली में दस जिला टीबी केन्द्रो में से एक के रूप में अपना कार्य प्रारंभ किया था जिसने आरएनटीसीपी को पायलट परियोजना के स्तर से कियान्वित किया और दिल्ली राज्य के लिए एसटीडीसी और आईआरएल बनने का दर्जा हासिल किया। इस दौरान निदान, अध्यापन, मूल एवं कियात्मक दोनों तरह के अनुसंधान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियां रही हैं।

केन्द्र का नैदानिक अनुभाग क्षयरोग तथा श्वसन संबंधी रोगों के लिए अपनी सेवाएं दे रहा है। पूरी दिल्ली और आस–पास के क्षेत्रों से मरीजों को रेफर किया जाता है। वर्ष के दौरान 23731 मरीजों ने सामान्य ओपीडी सेवा का उपयोग किया तथा 1283 मरीजों का नाम दर्ज किया गया और सीओएडी क्लीनिक मे उपचार किया गया।पीएफटी और डिजीटल एक्स–रे मशीन लाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

केन्द्र की प्रयोगशाला नैदानिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें माइक्रोस्कोपी से जीनोम अनुक्रमण तक की सुविधाओं हैं। इस वर्ष में प्रयोगशाला में कुल 49468 टेस्ट किए गए। इसके अतिरिक्म प्रयोगशाला सुविधा का उपयोग अध्यापन और मेडिकल एवं पैरा मेडिकल कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भी किया जा रहा है। कई अनुसंधान परियोजनाएं भी संचालित की जाती हैं। इस वर्ष हमारी प्रयोगशाला को एनएबीएल से प्रत्याायन भी मिला है। प्रयोगशाला के नवीनीकरण के प्रयास भी किए जा रहे हैं ताकि बढ़ते कार्यभार को संभाला जा सके।

केन्द्र के प्रशिक्षण अनुभाग ने वर्ष के दौरान 1995 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण तथा कार्यकम समीक्षा के लिए भी ईसीएचओ मंच का उपयोग किया जाता है। ई–माड्यूल का उपयोग करने तथा ईसीएचओ मंच का बहुधा प्रयोग करने और समीक्षा सत्रों हेतु व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने के लिए समय देने तथा पीओएल के प्रयास भी किए जा रहे हैं। केन्द्र का संकाय नैदानिक, जीवाणु विज्ञान और कार्यकम संबंधी पक्षों के अनुसंधान कार्यों में भी सकिय है। वर्ष के दौरान 4 पेपर प्रकाशित किए गए और 4 प्रकाशन हेतु सम्प्रेषित किए गए।

भारतीय क्षयरोग संघ एनडीटीबी केन्द्र के प्रारंभिक समय से ही इसके कार्यो की मॉनीटरिंग कर रहा है और कार्यो को बेहतर करने के लिए मार्गदर्शन दे रहा है। मैं वित्तीय सहयोग के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और केन्द्रीय टीबी डिवीजन का धन्यवाद करता हूं। मैं नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए प्रबंध समिति के सभी सदस्यों, राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी दिल्ली राज्य और भारतीय टीबी संघ को बहुमूल्य सहायता और सहयोग देने के लिए आभार प्रकट करता हूं।

डा के के चोपडा
निदेशक

संस्थान के बारे में

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की स्थापना 1940 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदान प्राप्त संस्थान के रूप में हुई। एनडीटीबी को 1951 में उन्‍त किया गया जिससे यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ), यूनीसेफ और भारत सरकार की सहायता से पहला निदर्शन और प्रशिक्षण केन्द्र बना। 1966 में यह क्षयरोगियों के लिए रेफरल केन्द्र बना। देश के सभी हिस्सों से क्षयरोगियों को केन्द्र में रेफर किया जाता है जहां उनके रोग का निदान किया जाता है और उपचार सुविधाएं दी जाती हैं।

1997 में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र ने आरएनटीसीपी के तहत डॉटस नीति को क्रियान्वित करने के लिए संगठित होकर काम करना प्रारंभ किया। इस समय केन्द्र दिल्ली के 10 चैस्ट क्लीनिकों में से एक है जिसके अंतर्गत लगभग 5 लाख की आबादी है। यह केन्द्र मुख्यतः पुरानी दिल्ली के हिस्से में 15 वर्ग किमी. में फैला है।

वर्ष 2005 में केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र को राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण केन्द्र और दिल्ली राज्य के लिए इंटरमीडिएट रेफरेंस प्रयोगशाला के तौर पर अभिनामित किया। इसके अतिरिक्त यह प्लमनरी रोगों एवं क्षयरोग के मरीजों के लिए रेफरल केन्द्र के रूप में भी कार्यरत है।

केन्द्र की प्रबंध समिति है जो नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की सुचारू कार्यप्रणाली सुनिश्चित करती हैं। प्रबंध समिति केन्द्र के कार्यों को नियंत्रित करती है और उसके पास केन्द्र के लिए योजना बनाने, स्थापित करने और केन्द्र को चलाने के लिए सभी शक्तियों,कृत्यों तथा कार्यो को करने व लागू करने का अधिकार है। प्रबंध समिति में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली सरकार, निगमों, टीबी भारतीय क्षयरोग संघ तथा अन्य एनजीओ के सदस्य हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (सीसीडी) केन्द्र के सुचारू संचालन के लिए सहायता के रूप में प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अनुदान देता है।

प्रबंधन समिति

उपाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	अध्यक्ष
मानद कोषाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	वित्तीय सलाहाकार
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
उप महानिदेशक (क्षयरोग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
निदेशक क्षय एवं श्वसन का राष्ट्रीय संस्थान	सदस्य
निदेशक स्वास्थ्य सेवायें (दिल्ली) स्वास्थ्य सेवा निदेशालय – दिल्ली प्रशासन	सदस्य
निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
निदेशक सेवाएं नई दिल्ली नगरपालिका परिषद	सदस्य
महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
अवैतनिक महासचिव दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
निदेशक रेलवे मंत्रालय	सदस्य
निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

डा. एल एस चौहान अध्यक्ष नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	अध्यक्ष
डा. अश्वनी खन्ना राज्य क्षयरोग अधिकारी दिल्ली राज्य	सदस्य
प्रो. राज कुमार निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
डा. वरिन्द्रर सिंह प्राध्यापक बाल चिकित्सा कलावती अस्पताल लेडी हांर्डिग मेंडिकल कालेज	सदस्य
श्री. जी. पी. माथुर पूर्व–सांख्यिकीविद् नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद् नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. . के. के. चोपड़ा निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

नैतिक समिति

डा. राज कुमार निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
डा. संजय राजपाल छाती विशेषज्ञ नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. चिनकोलाल तानगसिंह एन जी ओ – एच आई वी विशेषज्ञ	सदस्य
श्री टी एस आलूवालिया महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
प्रो माला सिन्हा संकाय चिकित्सा विज्ञान दिल्ली विश्वविघालय	सदस्य
श्री. सवेताकेतु मिश्रा वकील	सदस्य
डा. एम एम सिंह प्राध्यापक मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद् नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
श्री. कुमार दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
श्री. संजीव गुप्ता समुदाय व्यक्ति	सदस्य
डा. शंकर माटा जानपादिकरोगविभागी नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वरिष्ठ कर्मचारीगण

डा. के. के. चोपड़ा ए.बी.बी.एस., एम.डी., डी.टी.सी.ई.	निदेशक
डा. संजय राजपाल एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी., एफ.एन.सी.सी.पी.	छाती विशेषज्ञ
डा. महमूद हनीफ पी.एच.डी.	जीवाणु वैज्ञानिक
डा. (श्रीमति) निशि अग्रवाल पी.एच.डी.	सांख्यिकीविद्
डा. शंकर माटा एम.बी.बी.एस., एम.डी.	जानपादिकरोगविभागी
डा. शिवानी पवार एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी.	चिकित्सा अधिकारी
श्री. एस के सैनी स्नातक, एआईसीडब्लयूए	प्रशासनिक अधिकारी

अनुसंधान और प्रकाशन

(क) प्रकाशित अनुसंधान पेपर

वर्ष 2018–19 में केन्द्र के संकाय (फैकल्टी) ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जनरलों में निम्नलिखित अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए अथवा दिए हैं :

1. ''ट्रीटमेंट सीकिंग पॉथवे इन पेड्रेटिक ट्यूबरक्लोसिज पेशेंट अटेंडिंग डॉट सेंटर इन अरबन एरिया ऑफ दिल्ली''। यह पेपर इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिज में प्रकाशित हुआ। 2018 : 65 (4) : 308–314

2. ''सोशियो डेमोग्राफिक प्रोफाइल एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम इन पेड्रेटिक ट्यूबरक्लोसिज पेशेंट अटेंडिंग डॉट सेंटर इन अरबन एरिया ऑफ दिल्ली''। यह पेपर इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिज में प्रकाशित हुआ। 66 (1) : 123–128

3.. ''डिवल्पमेंट ऑफ ए गैस्ट्रिक रेजीडेन्ट डिवाइस फॉर प्रोलांग ग्राम लेवल डोसिंग : टूवर्ड इम्प्रूविंग एडहरेंस टू ट्यूबरक्लोसिस ट्रीटमेंट।'' साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसन 2018 में प्रकाशित पेपर

4. ''ए मॉडल टू प्रडिक्ट अनफेवरबल ट्रीटमेंट आउटकम्स इन पेशेंट विद ट्यूबरक्लोसिस एण्ड ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस को–इन्फेक्शन इन दिल्ली'' *पीएलओएस वन* 2018 में प्रकाशित पेपर.

5. ''बेसलाइन सेकंड लाइन ड्रग सस्पटेबिल्टी ऑफ मल्टी ड्रग एण्ड रिफेम्पसिन रिसीसटेंट माइको बैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस आइसोलेट इन दिल्लीं।'' यूरोपीयन रेस्परेटरी जरनल 2018 में प्रकाशनार्थ जमा।

6. ''अपफ्रंट एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ टेस्टिंग ऑन वरीयस स्पेसिमन टाइप्स फॉर प्रीसम्पटिव पडेयट्रिक टीबी केसिस फॉर अरली एण्ड अपफ्रंट ट्रीटमेंट इनीशियन।'' *पीएलओएस वन*–डी–17–37251 आरजैड में प्रकाशित पेपर.

7. ''हाइ परसेंटज ऑफ बीजिंग जीनाटाइप अमंग मल्टी ड्रग रिसीसटेंट ट्यूबरक्लोसिस आइसोलेट इन दिल्लीं रीजन। बॉयोमेडिकल एवं बायोटेक्नोलॉजिकल रिसर्च जनरल (बीबीआरजे) जून 20,2018, आईपी :42.108.189.169 में प्रकाशित संपादक को पत्र।

8. ''जिनेटिक पॉलीऑरहफिज्म ऑफ रेयर म्यूटेशन इन माइकोबैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस इन्फेक्टिड पेशेंट इन दिल्लीं।'' बॉयोमेडिकल एव बॉयोटेक्नालजिकल रिसर्च जनरल (बीबीआरजे) डीओएल : 10.4103/बीबीआरजे.बीबीआरेजे–13–18, जनवरी 2018 में प्रकाशित

9. ''डिटेक्टशन ऑफ मल्टी ड्रग रसीसटेंट अमंग स्मियर नेगेटिव एण्ड एक्स्ट्रा प्लमनरी ट्यूबरक्लोसिस केसिस इन रेफरंस लेबॉरटरी।'' व बॉयोटेक्नालजिकल रिसर्च जनरल (बीबीआरजे) जनवरी 2018 डीओएल : 10.4103/बीबीआरजे.बीबीआरेजे–48–18, में प्रकाशित।

10. ''कैन स्पूटम माइक्रोस्कोपी बी रिपलेस्ड'' इंडियन जरनल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 2018 : 64 (4) : 275–276 में प्रकाशित

11. एण्ड टीबी – स्ट्रेटजी – अ ड्रीम टू अचीव''। इंडियन जरनल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस (विशेष अंक) मार्च 2019 में प्रकाशित संपादकीय।

12. जरनी ऑफ ट्यूबरक्लोसिस कंट्रोल इन इंडिया।'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस में प्रकाशित लेख (विशेष अंक) मार्च 2019

13. एचीविंग टीबी एलीमिनेशन इन इंडिया : र रोल ऑफ लेटेन्ट टीबी मैनेजमेंट।'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 2019; 66 (1), 30–33 में प्रकाशित पेपर।

14. इम्पैक्ट ऑफ इंटीग्रेटिड साइको–सोशियों–इकनॉमिक सपोर्ट ऑन ट्रीटमेंट आउटकम इन ड्रग रिसीसटेंट ट्यूबरक्लोसिस – अ रेट्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी।'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 66 (1), 105–110 में प्रकाशित पेपर।

15. ''पैटर्न एण्ड ट्रेंड ऑफ ड्रग सेंसटिव इन एमडीआर–टीबी केसिस इन दिल्ली (2009–14) – अ रिकॉर्ड बेस्ट स्टडी!'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

16. ''टीबी डायग्नोस्टिक : जरनी फ्रॉम स्मियर माइक्रोस्कोपी टू होल जीनोम सिक्वेंसिंग'' शीर्षक से पुस्तक ''माइकोबैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस : मॉलीक्यूलर इन्फेक्शन बॉयोलॉजी, पैथेजीनिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड न्यू इंटरवेनशन'' मे जनरल नेचर के प्रकाशक इमप्रिंट स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

(ख) <u>अनुसंधान परियोजनाएं</u>

1. जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा

एनडीटीबी केन्द्र ''जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा'' नाम से एक परियोजना चलाता है। इस परियोजना का उद्‌देश्य तिहाड जेल में कैदियों में क्षयरोग के भार का पता लगाना तथा तिहाड़ जेल में क्षयरोग और दवा प्रतिरोशक क्षयरोग का जल्दी पता लगाने के लिए कार्यात्मक साधन तैयार करना और इसके द्वारा कैदियों में क्षयरोग देखभाल की मानक रीतियों के प्रति कैदियों मे जागरूकता पैदा करना है। तिहाड के चिकत्सकीय एवं अर्ध चिकित्सकीय स्टाफ में जागरूकता पैदा करने के बाद अक्तूबर 2018 में मामलों का सक्रियापूर्वक पता लगाना प्रारंभ किया गया था। 31 मार्च 2019 तक 10476 कैदियों की जांच की गई जिसमें से 655 में लक्षण पाए गए और क्षयरोग के 70 मामले पाए गए। पता लगाए गए सभी क्षयरोग मामलों का आरएनटीसीपी के दिशा–निर्देशों के अनुसार उपचार किया गया।

2. नई दिल्ली में नसों में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोगों में सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान करने के लिए अभियान

सक्रियतापूर्वक मामलों को पता लगाने का अभियान का केन्द्र ने सक्रियता से प्रसार किया। इस कार्यक्रम में क्षयरोग के लक्षण वाले लोगों का पता लगाने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया गया। इसका अभियान का प्रयोजन है (क)क्षयरोग की आशंका वाले लोगों में जल्दी पहचान करना (ख) जल्दी निदान करना (ग) उपचार की तैयारी करना (घ) उपचार एवं देखभाल को जोड़ना। लक्षित जन समुदाय : दिल्ली के जमुना बाज़ार, हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस क्षेत्र में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले। डीएसएसीएस परियोजना के दो लक्षित केंर्दित केन्दों के कार्यक्षेत्रों की अनुमानित आबादी लगभग 2500 है। क्षेत्र में जाकर काम करने वाले दलों को प्रशिक्षण देने के उपरांत सक्रियतापूर्वक मामलों का पता लगाने का काम शुरू किया जाएगा। क्षेत्र में जाकर काम करने वाले कार्यकर्त्ताओं की नियुक्ति, उन्हें तैयार करना तथा लघु योजना तैयार कर ली गई है।

3. क्षयरोग मुक्त रोहिणी परियोजना

2025 तक क्षयरोग उन्मूलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रोहिणी को क्षयरोग से मुक्त करने की योजना आरंभ की गई है। यह परियोजना आईएमए रोहिणी शाखा, एनडीटीबी केन्द्र तथा दिल्ली राज्य क्षयरोग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जा रही है। इसकी शुरूआत मार्च 2019 में स्थानीय राजनीतिज्ञों, निजी प्रैक्टीशिनरों और रोहिणी क्षेत्र की जनता को जागरूक करने से की गई। इसके बाद आगे किए जाने वाले कार्यो की योजना बनाई गई जिसमें निजी चिकित्सकों द्वारा क्षयरोग की जानकारी देने के कार्य को बढ़ावा दिया गया और क्षयरोग के ज्ञात मामलों के उपचार का अनुपालन करने के लिएस्थानीय राजनीतिज्ञों एवं जनता का सहयोग लिया गया।

4. लाइन प्रोब एसे द्वारा आइसोनाइज़ड एवं रिफएम्पीसिन से माइकोबैक्टरियिम क्षयरोग मामलों में दवा की संवेदनशीलता का परीक्षण

इसका अध्ययन फरवरी 2019 से अप्रैल 2019 तक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र, नई दिल्ली की इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला में निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया गया :
क) एमजीआईटी लिक्विड कल्चर प्रणाली के प्रयोग द्वारा स्मियर नेगेटिव प्लमनरी नमूनों से माइकोबैक्टिरियम क्षयरोग को अलग करना ख) मॉलीक्यूलर लाइन प्रोब एसे का प्रयोग करते हुए फर्स्ट लाइन क्षयरोग प्रतिरोधक आइसोनाइज़ड और रिफएम्पीसिन से दवा की प्रतिरोधकता ज्ञात करना।

इस अध्ययन में दिल्ली के 25 में से 17 चैस्ट क्लीनिकों के संभावित एमडीआर क्षयरोगियों के लार के 615 नमूने लिए गए। ये नमूने जीवाणुरहित और रिसाव रहित कंटनेरों में लिए गए और इन्हें उसी दिन भरे गए मांग–पत्र के साथ आईआरएल भेजा गया। इन नमूनों को एनएएलसी–एनएओएच प्रणाली के प्रयोग से असंदूषित किया गया। संकेन्द्रित अवसाद से स्मियर

तैयार किए गए तथा औरामाइन स्टेन से इनको चिन्हित किया गया और फलूरोस्कैंट माइक्रोस्कोपी के प्रयोग से स्मियर को नगेटिव और पॉजीटिव के रूप में जाना गया। फिर स्मियर नगेटिव नमूनों का एमजीआईटी 960 प्रणाली पर कल्चर परीक्षण किया गया। निश्चित पॉजीटिव कल्चर को एलपीए के लिए और अधिक संसाधित किया गया जिससे कि फर्स्ट लाइन दवा आईएनएच और आरआईएफ से प्रतिरोधिता ज्ञात की जा सके।

स्पूटम माइक्रोस्कोपी की कम संवेदनशीलता के कारण आम तौर पर कल्चर द्वारा क्षयरोग का पता चल जाता है इसके बाद स्ट्रेन और दवा संवेदनशीलता परीक्षण (डीएसटी) किया जाता हैं इस अध्ययन में फिनोटाइपिक के स्थान पर एलपीए किया गया जिसने परिणाम जल्दी दिया।

5. एक्सट्रा प्लमनरी क्लीनिकल नमूनों से माइकोबैक्टिरियम क्षयरोग का पृथक्करण, पहचान और दवा संवेदनशीलता

प्रयोगशालामें ईपीटीबी ज्ञात करना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। इसलिए यह अध्ययन 1 फरवरी 2019 से 1 मई 2019 के दौरान किया गया और दिल्ली के 25 में से 17 चैस्ट क्लीनिकों के संभावित एक्सट्रा रोगियों के नमूने लिए गए। इस अध्ययन के उद्देश्य थे :

क) संभावित क्षयरोग मामलों से एक्सट्रा प्लमनरी नमूने से एम टयूबरक्लोसिस अलग करना।
ख) व्यावसायिक इम्यूनो क्रोमाटोग्राफिक के प्रयोग से एम. टयूबरक्लोसिस ज्ञात करना।
ग) मॉलीक्यूलर एलपीए के प्रयोग से आइसोनाइजड और रिफएम्पेसिन नामक फर्स्ट लाइन दवाओं में दवा प्रतिरोधकता ज्ञात करना।

नमूने एकत्र किए गए और इन्हें एकत्र करने के दिन ही क्षयरोग प्रयोगशाला में भरे गए आरएनटीसीपी मांग–पत्र के साथ भेजा गया। इन नमूनों को एन–एसीटिल, एल–सिस्टाइन सोडियम हाइड्रोक्साइड (एनसएलसी–NaOH) पद्धति और संकेन्द्रित अवसाद से असंदूषित किया गया तथा स्मियर तैयार किया गया। औरामाइन स्टेन से स्मियर को चिन्हित किया गया और फलूरोस्कैंट माइक्रोस्कोपी के प्रयोग से स्मियर को नगेटिव और पॉजीटिव के रूप में जाना गया। सभी संकेन्द्रित अवसाद से अंश को एमजीआईटी मीडियम वायल (छोटी बोतल) पर संरोपित किया गया तथा इन वायल्स को एमजीआईअी प्रणाली में रोगोद्भवन किया गया। फिर सभी कल्चर पॉजीटिव नमूनों की पहचान एम ट्यूबरक्लोसिस के रूप में की गई जिसके लिए इम्यूनो क्रोमाटोग्राफिक एसे का प्रयोग किया गया। पहचान किए जाने के उपरांत कल्चर का प्रयोग डीएनए निकालने के लिए किया गया और इन डीएनए नमूनों को फर्स्ट लाइन एलपीए के लिए और अधिक प्रक्रमित किया गया।
वैध एलपीए नतीजों की उपलब्धता से परंपरागत पद्धति की अपेक्षा मॉलीक्यूलर पद्धति से परीक्षण के लाभ प्रमाणित हुए। एसे ने विवेचन योग्य नतीजे दिए और अतिरिक्त एमडीआर–क्षयरोग के मामले पता चले।

6. एमजीआईटी कल्चर और दवा संवेदनशीलता द्वारा एमडीआर टीबी अथवा रिफएम्पेसिन प्रतिरोधिता मामलों में सेकंड लाइन क्षयरोग प्रतिरोधक दवाओं में दवा प्रतिरोधकता ज्ञात करना

दवा प्रतिरोधकता मामलों के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रतिरोधकता का जल्दी पता लगाना अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है ताकि इलाज का प्रभवी तरीका तय किया जा सके। इसमें जल्दी पता लगाने और एमडीआर/एक्सडीआर क्षयरोग के नियंत्रण में त्वरित दवा सुग्राहयता की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया,

क) प्लमनरी क्षयरोग की आशंका वाले लोगों में एक्सपर्ट एमटीबी/rif ,एसे द्वारा रिफएम्पेसिन से दवा प्रतिरोधकता का पता लगाना।
ख) एमजीआईटी कल्चर के प्रयोग से प्लमनरी नमूनों से *माइकोबैक्टिरियम क्षयरोग* को अलग करना
ग) एमजीआईटी लिक्विड कल्चर प्रद्धति द्वारा सेकंड लाइन दवाओं में दवा प्रतिरोधकता ज्ञात करना।

डीएमसी में रिसाव रहित और जीवाणुरहित कंटनेरों मे नए नमूने लिए गए और उन्हें उसी दिन रोगी की जानकारी वाले प्रपत्रों के साथ आईआरएल भेजा गया। इन नमूनों को एनएएलसी–एनएओएच पद्धति द्वारा असंदूषित किया गया। अवसाद से स्मियर को और कल्चर संरोपण के लिए तैयार किया गया। औरामाइन स्टेन से फ्लूरोस्केन्ट माइक्रोस्कोपी की गई और आरएनटीसीपी के दिशा–निर्देशों के अनुसार स्मियर का अध्ययन किया गया।
एम ट्यूबरक्लोसिस के परिष्करण के लिए बीएसीटीईसी 960टीबी प्रणाली का प्रयोग कियाा गया। समग्र पॉजीटिव कल्चर के लिए एमपीटी 64 त्वरित परीक्षण के प्रयोग से एम.ट्यूबरक्लोसिस सम्मिश्र की पहचान की गई। छ दवाओं केनामाइसिन, एमीकेसिन, कैपरियोमाइसिन, मॉक्सीफ्लोक्सिन, लाइनजॉलिड और क्लोफेज़माइन के प्रयोग से सेकंड लाइन दवा सुग्राहयता परीक्षण किया गया।
अध्ययन के नतीजों से यह सामने आया कि विभिन्न फर्स्ट लाइन और सेकंड लाइन क्षयरोग प्रतिरोधक दवाओं के मुकाबले लिक्विड कल्चर ऐसी प्रणाली है जो कि एम ट्यूबरक्लोसिस को पृथक करने तथा संवेदनशीलता परीक्षण करने के लिए अधिक संवेदनशील और त्वरित है।

7. **मॉलीक्यूलर लाइन प्रोब एसे से रिफ्एम्पिसिन प्रतिरोधक क्षयरोग मामलों में सेकंड लाइन क्षयरोग प्रतिराधक दवाओं में दवा प्रतिरोधकता ज्ञात करना**

वर्तमान अध्ययन निम्नलिखित प्रयोजनों से किया गया

क) प्लमनरी की संभावना वाले क्षयरोग मामलों में व्यावसायिकक एक्स्पर्ट एमटीबी रिफ एसे के प्रयोग से रिफ्एमपिसिन में दवा प्रतिरोधकता का पता लगाना

ख) मॉलीक्यूलर लाइन प्रोब एसे द्वारा सेकंड लाइन इंजेक्टबल्स एवं फ्लूरोक्विनोलॉन्स से दवा प्रतिरोधकता ज्ञात करना।

सीबीएनएएटी द्वारा डीएमसी में रिसाव रहित और जीवाणुरहित कंटनेरों में उन रोगियों के नए नमूने लिए गए जो रिफएम्पेसिन प्रतिरोधक थे। उन नमूनों को उसी दिन रोगी की जानकारी वाले प्रपत्रों के साथ आईआरएल भेजा गया।

एनएएलसी–एनएओएच पद्धति : इन नमूनों को एनएएलसी–एनएओएच पद्धति द्वारा असंदूषित किया गया। अवसाद से स्मियर को और कल्चर संरोपण के लिए तैयार किया गया।

माइक्रोस्कोपी : ग्रीस रहित स्लाइड से स्मियर तैयार किए गए। औरामाइन से स्टेनिंग की गई तथा एलईडी फ्लरसकेंस माइक्रोस्कोपी से आरएनटीसीपी के दिशा–निर्देशों के अनुसार स्मियर का अध्ययन किया गया।

लाइन प्रोब एसे : जीनोटाइप MTBDRsIVER2.0 LPA से सेकंड लाइन दवा के लिए लाइन प्रोब एसे किया गया।

इस अध्ययन में यह पाया गया कि एफएफक्यू और एसएलआईडी के लिए एलपीए ने अच्छा काम किया जिसमें पुर्नउत्पादकता बहुत अच्छी रही और सुग्राहता उच्च रही तथा एफएलक्यू एवं एसएलआईडी से प्रतिरोधकता विशिष्ट तौर पर सामने आई। औसत रिपोर्टिंग की प्रतिवर्तन काल 2 से 4 दिन रहा।

ग) यूनीयन वर्ल्ड लंग हेल्थ कान्फ्रेस 2018 के लिए प्रस्तुत सार

1. दिल्ली, भारत मे उच्च संख्या वाली बंद जेलों में क्षयरोग को पता लगाने का मॉडल
2. दिल्ली, भारत में नए दवा पथ्य से दवा प्रतिरोधक क्षयरोगियों के ईलाज में उपचार के आंतरिक नतीजे
3. दिल्ली, भारत की बेघर जनसंख्या में क्षयरोग की देखभाल
4. दिल्ली, भारत में उन दवा प्रतिरोधक क्षयरोगियों में उपचार के नतीजे जिनका अल्पकालीन बहु औषधीय प्रतिरोधक क्षयरोग पथ्य से इलाज किया गया।
5. दिल्ली, भारत में भारतीय डाक सेवा द्वारा क्षयरोग के नमूनों का परिवहन।

वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी

1. मेडिकल काउंसिल रिसर्च (एमआरसी), यूके और अन्य सहयोगियों के सहयोग से यूनीयन बहु औषधीय प्रतिरोधक क्षयरोग (एमडीआर–टीबी) के उपचार के लिए अल्पकालीन पथ्य की क्षमता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए वर्तमान में बहु–केन्द्रीय, बहुदेशीय नैदानिक परीक्षण कर रहा है। इस उद्‌देश्य के लिए इनके द्वारा स्ट्रीम चरण 2 में भारत में और अधिक स्थानों को शामिल करने की संभावनाओं का पता लगाया जा रहा है जिसमें ट्रायल करने के लिए अनुभवी और क्षमता वाले संस्थान एवं प्रयोगशाला शामिल हैं। इस संदर्भ में यूनीयन और एमआरसी के दल ने प्रयोगशाला की सहायता के लिए 4–6 अप्रैल 2018 को एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया।

2. क्षयरोग के विभिन्न पक्षों पर अनुसंधान करने के लिए अंर्तशाखा अनुशासनात्मक बैठक 16 अप्रैल 2018 को हमदर्द चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में हुई जिसकी अध्यक्षता डा हरमन, उपकुलपति (एचआईएमएसआर) ने की। डा के के चोपड़ा, निदेशक एवं डा एन हनीफ माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया ।

3. 16 अप्रैल 2018 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने वैकल्पिक अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान एक परियोजना पर चर्चा और शामिल करने के लिए कुछ बदलावों का सुझाव दिया गया।

4. 1 मई 2018 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में हयूमना हमदर्द के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक हुई। बैठक में ''दिल्ली के बेघर नागरिकों में क्षयरोग के मामलों की पहचान और उपचार के अनुसरण को बेहतर करने'' की परियोजना पर चर्चा की गई।

5. 2 मई 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक संचालित किया गया। यह शैक्षिक क्लीनिक ''सक्रिय रूप से मामले ज्ञात करना – दिल्ली अनुभव''पर था जिसमें डा शंकर माटा, एपीडिमॉलाजिस्ट ने किया। इसके बाद लोक नायक चैस्ट क्लीनिक के डा सोनप्रीत ने केस पर प्रस्तुतकीकरण दिया।

6. 3 मई 2018 को लेडी रीडिंग हेल्थ सेन्टर के लेडी हेल्थ विजिटर छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उन्हें क्षयरोगियों के रोग, उपचार तथा क्षयरोग की रोकथाम तथा क्षयरोगियों की देखभाल में स्वास्थ्य आगुंतकों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया।

7. दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी ने क्षयरोग रोधी थेरेपी के लिए आने वाले क्षयरोगियों के विषय में सूचित करने के लिए फार्मेस्टिों को शामिल करने की पहल की। इस गतिविधि पर चर्चा करने के लिए दक्षिणी दिल्ली के फार्ममेस्सिट एवं केमिस्ट संघ ने 5 मई 2018 को पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स में ''क्षयरोग को समाप्त करने की कार्यनीति'' पर केमिस्टों की भागीदारी पर एककार्यशाला आयोजित की जिसमें डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

8. 11 मई 2018 को जामिया हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च में ''प्लमनरी क्षयरोग के उपचार में एटीटी की सहायक थेरेपी के रूप में यूनानी निरूपण का चिकत्सकीय मूल्यांकन : यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन'' नामक परियोजना की एक दिन की बहुअनुशासनात्मक बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

9. चैस्ट एण्ड टीबी क्लीनिक, जीटीबी हस्पताल द्वारा 16 मई 2018 को ''क्षयरोग में नए निदान एवं चिकित्सा प्रणालियां'' विषय पर एक सीएमई हुई जिसका समन्वय डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने किया। डा चोपडा ने ''नई टीओजी के अनुसार दवा संवेदी एवं दवा प्रतिरोधक क्षयरोग'' विषय पर व्याख्यान दिया और डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ ने ''जीन क्रमिकता सहित क्षयरोग मे नई चिकित्सा प्रणालियों'' पर व्याख्यान दिया।

10. पीएचडी के छात्र श्री विश्वनाथ उपाध्याय ने 17 मई 2018 को जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली में थीसिस प्रोटोकॉल प्रजेन्टेशन रखा। यह प्रजेन्टेशन ''प्रीवलेंस ऑफ नॉन ट्यूबरक्लोसिस माइकोबैक्टिरियल डिसिस एण्ड मॉलीक्यूलर करेक्टरराइजेशन ऑफ आइडन्टीफाइ नॉन ट्यूबरक्लोसिस माइकोबैक्टिरियम स्पीशिज अमंग प्लमनरी टीबी सस्पेक्ट'' विषय पर था। थीसिस के प्रस्तुतीकरण की समीक्षा के लिए डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ बैक्टीरियोलॉजिस्ट बोर्ड के सदस्यों में थे।

11. प्लमनरी मेडिसन, गर्व.मेडिकल कॉलज एण्ड हॉस्पीटल, चंडीगढ़ ने 18 मई 2018 को सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा इस कार्यक्रमों के समन्वयकों में से एक थे। उन्होंने ''नई टीओजी के अनुसार क्षयरोग प्रबंधन'' विषय व्याख्यान दिया।

12. 21 मई 2018 को एनडीटीबी में परियोजना ''लक्षणों के आधार पर रेफरेल के लिए नए एवं वर्तमान क्षयरोगियों की भूमिका की समीक्षा'' पर चर्चा के लिए एक बैठक हुई।

13. रोगियों में बीडीआर की एडीआर पर समीक्षा करने के लिए 21 मई 2018 को आरबीआईपीएमटी में एक बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

14. 22 मई 2018 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक, एसटीडीसी ने 25 चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण सामने रखा। डा चोपड़ा ने भी ''दिल्ली राज्य में बीडीओ क्रियान्वयन'' पर अपना मूल्यांकन दिया।

15. 5 जून 2018 को एसटीडीसी में परियोजना ''लीवरएजिंग ओल्ड टीबी पेशेंट इन रेफरिंग टीबी सिम्पटोमेटिक'' पर समीक्षा बैठक हुई। जे पाल एजेंसी, एसटीओ दिल्ली के प्रतिनिधियों (अध्ययन संचालित किया) तथा एनडीटीबी संकाय ने चर्चा में हिस्सा लिया।

16. 5 जून 2018 को एनडीटीबी में दिल्ली राज्य स्तरीय आरएनटीसीपी की बैठक हुई। बैठक में हर एक जिले में एक डीएमसी को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए अपनाई जाने वाली कार्यनीति पर चर्चा की गई। एसटीओ दिल्ली, डब्लूएचओ परामर्शक और एनडीटीबीसी संकाय ने चर्चा में भाग लिया।

17. दिल्ली स्टेट टॉस्क फोर्स की 8 जून 2018 को दिल्ली राज्य एसटीडीसी हब से ईको प्लेटफॉर्म विषय पर बैठक हुई। बैठक के दौरान डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''दिल्ली राज्य में ईको की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया। मेडिकल कॉलजों के नोडल अधिकारियों ने अपनी रेफरल इकाईयों ने अपनी रिपोर्ट रखी और मेडिकल कॉलेजो में आरएनटीसीपी के क्रियान्वयन से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

18. 12 जून 2018 को एसटीडीसी हब से 'दिल्ली राज्य में क्षयरोग समाप्त करने की कार्यनीति' ईको क्लीनिक संचालित किया गया। चैस्ट क्लीनिकों के सभी डीटीओ और एमओ ने क्लीनिक में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक डा अश्विनी खन्ना, एसटीओ दिल्ली ने इसकी कार्य–प्रणाली के बारे में बताया। डीटीओ के साथ एसीएफ के लिए मोबाइन वैन की उपयोगिता पर भी चर्चा की गई।

19. 12 जून 2018 को एनडीटीबी केन्द्र में एनजीओ विहान (पीएल एचआईवी के लिए काम करने वाला एनजीओ) के साथ बैठक हुई। बैठक में ट्रांसजेडर (विपरीतलिंगी) में एचआईवी से संबंधित परियोजना पर चर्चा की गई। बैठक में जुलाई 2018 से परियोजना आरंभ करने का निर्णय लिया गया। इससे पहले विहान के कर्मचारियों को एनडीटीबी केन्द्र में क्षयरोग की जांच के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

20. तिहाड जेल के महानिदेशक के साथ 19 जून 2018 को परियोजना ''तिहाड़ जेल में क्षयरोग देखभाल की बुनियादी सुविधाएं'' के बारे में एक बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा माटा एपीडिमियालॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया। महानिदेशक और चिकित्सा स्टाफ के साथ के साथ परियोजना के विवरण और कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने मेडिकल और जेल प्राधिकरण के पैरा मेडिकल स्टाफ को इस संबंध में तैयार करने के बाद महानिदेशक ने अध्ययन करने की स्वीकृति प्रदान की।

21. 19 जून 2018 और 26 जून 2018 को जेपॉल से डा जेसिका के साथ रोगियों के रेफरल अध्ययन के बारे में बैठक हुई। बैठक के दौरान अध्ययन करने के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई और उसे अंतिम रूप दिया गया। राज्य, डब्लूएचओ के प्रतिनिधियों और जेपाल की क्षेत्र में काम करने वाले दल ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

22. एनडीटीबी केन्द्र की 2 जुलाई 2018 को डा बी के वशिष्ट और उनके जिले में काम करने वाले एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में आरएनटीसीपी प्रारूप के अनुसार उनके आंकड़ों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया।

23. तीन जुलाई 2018 को एनडीटीबी केन्द्र में परियोजना ''जेलों में क्षयरोग देखभाल का बुनियादी ढांचा'' संचालित करने के लिए बैठक की गई। राज्य क्षयरोग अधिकारी, दिल्ली राज्य, डब्लूएचओ परामर्शक, डीटीओ–डीटीयू हस्पताल और एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के दौरान अध्ययन करने की कार्यप्रणाली पर चर्चा गई।

24. 4 जुलाई 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक संचालित किया गया। दिल्ली राज्य की सहायक कार्यक्रम अधिकारी डा नीति बब्बर ने शैक्षिक व्याख्यान दिया। इसके बाद बीजेआरएम चैस्ट क्लीनिक के श्री ललित, एसटीएस ने केस पर प्रजेन्टेशन रखा।

25. 9 जुलाई 2018 को एसटीडीसी हब से निक्षय प्रविष्टियों से संबंधित ईको क्लीनिक संचाालित किया गया। इसमें क्षयरोगियों की राज्यवार निक्षय प्रविष्टियों, उनके उपचार परिणामों और पंजीकृत रोगियों के लिए डीबीटी पर चर्चा की गई।

26. 11 जुलाई 2018 को एसटीडीसी हब से निक्षय प्रविष्टियों से संबंधित ईको क्लीनिक संचाालित किया गया। इसमें जनवरी से जून 2018 तक क्षयरोगियों की राज्यवार निक्षय प्रविष्टियों, उनके उपचार परिणामों और पंजीकृत रोगियों के लिए डीबीटी पर चर्चा की गई। इसमें निक्षय सॉफ्टवेयर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई और सीटीडी में हेल्पडेस्क की सहायता से इसका समाधान किया गया।

27. 12 जुलाई 2018 को एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने उपाध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में तीन अनुसांधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई इनमें से एक को स्वीकृत किया गया तथा दो को संशोधन के लिए भेजा गया।

28. राष्ट्रीय क्षयरोग एवं श्वसन रोग संस्थान (एनआईटीआरडी), नई दिल्ली के बालरोग विभाग ने तीसरी बाल क्षयरोग अपडेट–2018 आयोजित किया जिसमें बच्चों में क्षयरोग के प्रबंधन में नवीन परिवर्तनों और दिशा–निर्देशों पर चर्चा की गई। बैठक में डा के के चोपड़ा ने बाल क्षयरोग पर सत्र की अध्यक्षता की।

29. यूएसएडी सहायता प्राप्त क्षयरोग परियोजना के अंतर्गत सीटीडी विभिन्न विषय–क्षेत्रों ''प्रयोगशाला निदान'', ''पीएसएस टूल किट'' और ''पीएमडीटी मॉड्यूल'' पर ई–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करने की योजना बना रहा है। इस संदर्भ में 19 से 20 जुलाई 2018 को एनटीआई बंगलौर में परामर्शक कार्यशाला आयोजित की गई। डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के दौरान भागीदारों ने समूह बनाकर कार्य किया और वर्तमान प्रयोगशाला प्रशिक्षण सामग्री को ई–प्रशिक्षण मॉड्यूल में परिवर्तित करने का प्रयास किया। एनआरआई में संचालित परामर्शक कार्यशाला के क्रम में 29.07.2018 को एनआईटीआरडी, दिल्ली में दूसरी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें पहली कार्यशाला के लंबित कुछ कार्य को पूरा किया।

30. 19 जुलाई 2018 को तिहाड़ जेल के सभागार में तिहाड़ जेल के अधिकारियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा माटा एपीडिमियालॉजिस्ट ने नई मार्गदर्शिका के अनुसार आरएनटीसीपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। इसमें उन्होंने भावी परियोजना ''जेल में क्षयरोग देखभाल के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करना'' की भी जानकारी दी। इसी प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम 20 जुलाई 2018 को मेडिकल के छात्रों और 27 जुलाई 2018 को पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए भी आयोजित किया गया।

31. जीएलआरए (एनजीओ) ने 21 जुलाई 2018 को अपोलो हेल्थ केयर फाउंडेशन के साथ संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में सहायक शिक्षकों के लिए क्षयरोग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने क्षयरोग के लक्षणों को पहचानने में उनकी भूमिका और डॉट प्रदाता के तौर पर कार्य करने पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में 45 सहायक शिक्षकों ने भाग लिया।

32. 24 जुलाई 2018 को एनडीटीबी केन्द्र में दिल्ली में जैविक नमूनें ले जाने के लिए डाक सेवाओं के उपयोग का अध्ययन करने के लिए एक पायलट परियोजना आरंभ करने के लिए बैठक की गई । केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, विश्व स्वास्थ्य संगठन और दिल्ली राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ ने चर्चा में भाग लिया। बैठक में अगस्त 2018 से परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया गया जिसमें करावल नगर चैस्ट क्लीनिक से एनडीडीबी प्रयोगशाला और एनडीटीबी केन्द्र से 100 मामलों की रिपोर्टो को करावल नगर चैस्ट क्लीनिक ले जाने के समय का विश्लेषण किया जाएगा।

33. 27 जुलाई 2018 को आईसीएमआर में परियोजना ''दिल्ली में एनटीएम की व्याप्तता और जोखिम कारक ज्ञात करना'' पर एक प्रजेन्टेशन हुआ। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने चर्चा में भाग लिया।

34. ईस्ट दिल्ली फीजिशियन एसोसिएशन ने प्लमनरी और जनरल फीजिशियन के लिए 28 एवं 29 जुलाई 2018 को दो दिन के सम्मेलन ''प्लमनकॉन'' का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''प्लमनरी क्षयरोग के नए मामलों का प्रबंधन'' विषय पर व्याख्यान दिया।

35. एसटीडीसी हब से 01 अगस्त 2018 को ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। एनडीटीबी केन्द्र के निदेशक डा के के चोपड़ा ने 'जेईईटी परियोजना के बारे में जागरूकता'' पर शैक्षिक व्याख्यान दिया।

36. 5 अगस्त 2018 को सिपला ने ''बेस्ट ऑफ चैस्ट'' का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने कार्यक्रम में भाग लिया और 'क्षयरोग' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

37. एनडीटीबी केन्द्र में 7 अगस्त 2018 को ''वार्म लाइन टीबी प्रोजेक्ट'' पर चर्चा करने के लिए एक बैठक हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन, राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों और एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने बैठक में भाग लिया।

38. जीत (जेईईटी) (क्षयरोग उन्मूलन के लिए संयुक्त प्रयास) और परियोजना अक्षय की कार्यकलापों का अ़द्यतन करने के लिए 7 अगस्त 2018 को एसटीओ कार्यालय में बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा खन्ना, राज्य क्षयरोग अधिकारी, दिल्ली ने परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और परिवर्तनों के सुझाव दिए। परियोजना जीत और अक्षय दल ने परियोजना की वर्तमान एवं भावी गतिविधियां सामने रखी।

39. परियोजना ''एमडीआर–एक्सडीआर स्ट्रेन की पुष्टि करने के लिए स्टेन्ड स्लाइड से डीएनए पृथक करना'' पर चर्चा करने के लिए 9 अगस्त 2018 को एम्स में एक बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

40. 14 अगस्त 2018 को केन्टानमेंट हस्पताल, दिल्ली कैंट में एक सीएमई आयोजित की गई। हस्पताल के विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सीएमई में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दवा सुग्राहता एवं दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का निदान एवं प्रबंधन'' विषय पर व्याख्यान दिया। लगभग 30 संकाय सदस्यों और डॉक्टरों ने सीएमई में भाग लिया।

41. 16 अगस्त 2018 को बीजेआरएम चैस्ट क्लीनिक में सीएमई का आयोजन किया गया। उत्तरी पश्चिमी जिले के औषधालय के चिकित्सा अधिकारी ने बैठक में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग प्रबंधन'' विषय पर व्याख्यान दिया। लगभग 30 संकाय सदस्यों और डॉक्टरों ने सीएमई में भाग लिया।

42. 20 अगस्त 2018 को एसटीडीसी दिल्ली में दिल्ली राज्य पीएमडीटी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया और एमडीआर क्षयरोग से संबंधित डब्लूएचओ के तीव्र संसूचन पर चर्चा की गई।

43. 20 अगस्त 2018 को एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया। संकाय सदस्यों के तीन प्रोटाकॉल पर चर्चा की गई।

44. 21अगस्त 2018 को राष्ट्रीय स्तर के एमडीआर क्षयरोग प्रबंधन समूह पर बैठक हुई जिसमें एमडीटार मामलों के प्रबंधन हेतु तीव्र संसूचन पर चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

45. 24 अगस्त 2018 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपडा, निदेशक ने ''क्षयरोग ज्ञात करने के नए साधन एवं क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया। 70 डॉक्टरों ने सीएमई में भाग लिया।

46. हिन्दूराव अस्पताल मे 28 अगस्त 2018 को सीएमई का आयोजन किया गया। डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने सीएमई में हिस्सा लिया और 'नए टीओजी दिशा–निर्देशों के अनुसार क्षयरोग निदान' पर व्याख्यान दिया।

47. मेडिकल कॉलेजों के संकाय और जिला स्तर की डीआरटीबी समिति सदस्योंके लिए 28 और 29 अगस्त 2018 को अहमदाबाद, गुजरात में दो दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डा के के चोपड़ा, निदेशक को संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने

'पूर्व उपचार मूल्यांकन', 'दवा प्रतिरोधक मामलों के प्रबंधन मे रोगियों का आना' 'विशेष स्थितियों में डीआरटीबी प्रबंधन' तथा 'डीआर क्षयरोग मामलो के प्रबंधन में विभिन्न स्तरों पर निक्षय प्रविष्टियां' विषयों पर व्याख्यान दिए।

48. 29 एवं 30 अगस्त 2018 को एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। डीएनबी छात्रों के 17 प्रोटोकॉल पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

49. क्षयरोग चुनौतियां और अवसर पर प्रैक्टिस हेतु बैठक आयोजन दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन में किया गया। यह दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों के लिए छः सीएमई (प्रत्येक शनिवार) की श्रृंखला का हिस्सा था।

50. 5 सितम्बर 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। डा शंकर माटा एपीडिमॉलाजिस्ट–एनडीटीबी ने 'विद्यालयों में क्षयरोग विषयक जागरूकता'' पर शैक्षिक व्याख्यान दिया।

51. 6 सितम्बर 2018 को एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में सात अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और स्वीकृति प्रदान की गई।

52. 'पर्ल फॉर प्रैक्टिस ऑन टीबी'' श्रृंखला के तहत 8 सितम्बर 2018 को डीएमए हॉल में एक सत्र आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग एवं अधिसूचना के बारे में दवा सुग्राहता उपयार'' पर चर्चा की। उन्होंने एनडीटीबी केन्द्र में शुरू की जाने वाली परियोजना ''दिल्ली क्यूमलेटिव कंसलटेटिव'' के बारे में संक्षेप में जानकारी दी।

53. 10 सितम्बर 2018 को एसटीडीसी दिल्ली में दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक हुई। । डा के के चोपड़ा, निदेशक और राज्य क्षयरोग अधिकारी, दिल्ली राज्य ने दिल्ली राज्य के डीआरटीबी केन्द्रों तथा कल्चर डीएसटी प्रयोगशालाओं की कार्यकारिता की समीक्षा की। डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने आईआरएल दिल्ली के कियाकलापों का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

54. 12 सितम्बर 2018 को एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में डीएनबी छात्रों की सात अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

55. जिला करावल नगर से एनडीटबी केन्द्र प्रयोगशाला तक लार के नमूने ले जाने के लिए 19 सितम्बर 2018 को शुरू की गई परियोजना में डाक सेवाओं की भूमिका की समीक्षा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

56. ''संपूर्ण जीनोम क्रमिकता'' को डिजाइन करने के लिए 18 और 19 सितम्बर 2018 को दिल्ली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट कार्यशाला में भाग लिया।

57. 26 सितम्बर 2018 को एसटीडीसी ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। यह क्लीनिक मुख्य रूप से 'निक्षय संस्करण –2' को आरंभ करने के लिए आयोजित किया गया।

58. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 24 से 28 सितम्बर 2018 तक मुंबई में ''संपूर्ण जीनोम क्रमिकता'' पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। डा जीशान माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट एवं श्री प्रवीण, प्रयोगशाला तकनीशियन ने कार्यशाला भाग लिलया।

59. तिहाड़ जेल में परियोजना ''जेल में क्षयरोग देखभाल के लिए कार्यात्मक ढांचा विकसित करना'' का आरंभ किया गया है। इसके लिए 13 सितम्बर 2018 को तिहाड़ जेल के सभागार में चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा शंकर माटा एपीडिमॉलाजिस्ट ने इस कार्यक्रम में नए दिशा–निर्देशों के अनुसार आरएनटीसीपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। इसी प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम 28 सितम्बर 2018 को पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए आयोजित किया गया।

60. 01 अक्तूबर 2018 को आरएमएल हस्पताल में ''क्षयरोग एवं एमडीआर क्षयरोग मामलों के प्रबंधन के नए दिशा–निर्देश पर एक सीएमई का आयोजन किया गया। हस्पताल के विभिन्न विशेषज्ञों ने सीएमई में भाग लिया। डा के के चोपडा, निदेशक ने 'क्षयरोग एवं डीआरटीबी उपचार' पर व्याख्यान दिया।

61. भारतीय क्षयरोग संघ ने 2 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रपति भवन में टीबी सील अभियान आयोजित किया जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति ने टीबी सील अभियान का उद्‌घाटन किया। एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने समारोह में भाग लिया।

62. 03 अक्तूबर 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। क्लीनिक मे 'निक्षय संस्करण –2 एवं डीबीटी प्रारूप में परिवर्तन' पर शैक्षिक व्याख्यान दिया।

63. 'क्षयरोग को समाप्त करने की कार्यनीति' के अंग के रूप में सक्रियतापूर्वक से मामलों का पता लगाने के लिए 04 अक्तूबर 2018 को एनडीएमसी चैस्ट क्लीनिक मे आशा कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इसी प्रकार का प्रशिक्षण 26 सितम्बर 2018 को आर के मिशन चैस्ट क्लीनिक और 27 सितम्बर 2018 को किंग्सवे चैस्ट क्लीनिक में दिया गया।

64. 08 अक्तूबर 2018 को जामिया हमदर्द इंस्टीट्‌यूट ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च में आरएनटीसीपी कोर समिति की एक दिन की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

65. दिल्ली के माननीय राज्यपाल श्री अनिल बैजल में बुधवार 10 अक्तूबर 2018,को राज निवास दिल्ली में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए टीबी सील अभियान की शुरूआत की। डा के चोपड़ा निदेशक ने अभियान में भाग लिया।

66. डा हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने आरएनटीसीपी के अंतर्गत क्षयरोग के निदान (एनटीईजी–निदान) पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया। यह बैठक 23.10.2018 को ललित होटल, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में आइआरएल और एनआरएल के लिए आवश्यक मानव संसाधन, उपकरणों का रख–रखाव, रसायनों एवं उपभोग्य सामग्री लेने संबंधी मामलों पर चर्चा की गई।

67. 02 नवम्बर 2018 को एसडीएन हस्पताल, शाहदरा में सीएमई आयोजित की गई। हस्पताल के विभिन्न विशेषज्ञों ने सीएमई में भाग लिया। डा के के चोपडा, निदेशक ने 'नए दिशा–निर्देशों पर आधारित दवा संवेदी एवं दवा प्रतिरोधक क्षयरोग उपचार पर एवं श्री जीशान ने ''जीन अनुक्रमिकता सहित क्षयरोग में नई निदान कार्य–प्रणालियों'' पर व्याख्यान दिया।

68. दिल्ली सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ रेशनल यूज ऑफ ड्रग्स ने 29 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2018 तक नर्सो के लिए 5 दिन की कार्यशाला आयोजित की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग रोकथाम में नर्सो की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया।

69. हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के छात्रों की पीएचडी परियोजना की समीक्षा बैठक 6 नवम्बर 2018 को आयोजित की गई। शोध का विषय था ''उत्तर भारत में एनटीएम की व्याप्तता और उसके जोखिम कारक''। डा के के चोपडा, निदेशक और एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

70. आंध्र प्रदेश क्षयरोग संघ ने 10 और 11 नवम्बर 2018 को एएमसी, मदनपल्ली, जिला चित्तूर में 36वीं आंध्र प्रदेश क्षयरोग एवं वक्ष रोग सम्मेलन का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सम्मेलन में '' क्षयरोग में दवा प्रतिरोधकता और उसकी नैदानिक विवक्षा'' विषय पर व्याख्यान दिया।

71. 14 सितम्बर 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। क्लीनिक के दौरान परियोजना जीत पर चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा खन्ना, राज्य राज्य क्षयरोग अधिकारी, दिल्ली ने परियोजना की समीक्षा की और परिवर्तनो का सुझाव दिया। परियोजना जीत और अक्षय की टीम ने परियोजना की वर्तमान और आगामी गतिविधियां सामने रखी। सीटीडी, डीटीओ के प्रतिनिधियो एमओ, पैरामेडिकल स्टाफ, आरएनटीसीपी दिल्ली ने भाग लिया।

72. 15 नवम्बर 2018 को आरबीआईपीएमटी की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने सदस्य के रूप में भाग लिया।

73. द यूनीयन एण्ड मेदांता मेडीसिटी ने 26 नवम्बर 2018 को नई दिल्ली में ''क्षयरोग मुक्त भारत के लिए बहुक्षेत्रीय भागीदारी पर राष्ट्रीय परामर्श' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस सम्मेलन में डा के के चोपड़ा, निदेशक को ''जानपदिक रोग विज्ञान क्षयरोग मुक्त भारत के लिए'' पर

व्याख्यान देने तथा ''पैराडिजिम शिफ्ट इन डायग्नोसिस ऑफ टीबी सीबीएनएएटी'' पर चर्चा के लिए पैनल सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया।

74. 'क्षयरोग समाप्त करने की कार्यनीति' के अंग के रूप में आशा कार्यकर्त्ताओं के लिए 28 नवम्बर 2018 को शास्त्री पार्क चैस्ट क्लीनिक में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में डा के के चोपडा, निदेशक ने व्याख्यान दिया।

75. लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज ने 5 दिसम्बर 2018 को आरएनटीसीपी पर केन्द्रीय समिति की बैठक का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया और ''क्षयरोग अधिसूचना'' विषय पर व्याख्यान दिया।

76. 03 दिसम्बर 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। यह शैक्षिक कार्यक्रम 'निक्षय वी2 पर था। इस कार्यक्रम में सीटीओ, डीटीओ, एमओ के प्रतिनिधियों तथा आरएनसीपी दिल्ली के पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

77. 07 दिसम्बर 2018 को आर्मी मेडिकल कॉलेज में दिल्ली राज्य टॉस्क फोर्स की बैठक हुई। एनडीटीबी के संकाय ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'वैश्विक दवा सुग्राहता परीक्षण में मेडिकल कॉलेज की भूमिका' पर व्याख्यान दिया।

78. 19 दिसम्बर 2019 को नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में आठ प्रोटोकॉल पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

79. मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एवं स्टडीज ने 20 दिसम्बर 2018 को केन्द्र का दौरा किया। यह दौरा एनडीटीबी केन्द्र की प्रयोगशाला में उनके छात्रों के सामूहिक अध्ययन पर एनडीटीबी केन्द्र के निदेशक तथा बैक्टिरियोलॉजिस्ट से चर्चा करने के लिए किया गया।

80. जिला स्वास्थ्य समिति (उत्तरी–पश्चिमी) ने 28 दिसम्बर 2018 को जीत परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया तथा ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

81. डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने 31 दिसम्बर 2018 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग में बैठक में भाग लिया। यह बैठक TrueNAT MTB Chips की तकनीकी विशिष्टि के विकास और स्वीकृत करने के लिए रखी गई।

82. 03 जनवरी 2018 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। यह शैक्षिक कार्यक्रम 'निक्षय वी2 पर था। इस कार्यक्रम में सीटीओ, डीटीओ, एमओ के प्रतिनिधियों तथा आरएनसीपी दिल्ली के पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

83. 3 जनवरी 2019 को एसटीडीसी हब मे ईको क्लीनिक संचालित किया गया। कार्यक्रम में डा के के चोपड़ा, निदेशक ने आहार सहायता के रूप में रोगियों के लिए डीबीटी शैक्षिक व्याख्यान दिया।

84. 3 जनवरी 2019 को डा गंगा राम हस्पताल ने सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया तथा ''आरएनटीसीपी के अंतर्गत क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

85. 4 से 6 जनवरी को नागपुर में 73वी का नैटकान आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट और डा शंकर माटा, एपीडिमॉलाजिस्ट ने नैटकान में भाग लिया। सम्मेलन के प्रमुख बिन्दु थे :

- डा के के चोपड़ा निदेशक ने वैज्ञानिक कार्यक्रम तैयार किया और उसका समन्वय किया।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ, माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने ''एमडीआर क्षयरोग प्रबंधन – व्यावहारिक बिंदु'' पर पैनल चर्चा में भाग लिया।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ, माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने ''क्या जीनोटाइप परीक्षण फिनोटाइपिक का स्थान ले सकता है'' पर पैनल चर्चा में भाग लिया।
- डा के के चोपड़ा पोस्टर प्रस्तुति सत्र के निर्णायक थे।
- डा के के चोपड़ा ने दो वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की
- डा के के चोपड़ा ने संपादकीय बोर्ड और राज्य सचिवालय की बैठक में भाग लिया।

86. 16 जनवरी 2019 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी की समीक्षा बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक, एसटीडीसी ने 25 चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण सामने रखा। बैठक में क्षयरोग प्रबंधन की चुनौतियां और निक्षय प्रविष्टियों सहित आरएनसीटीपी के विभिन्न कियाकलापों पर चर्चा की गईं।

87. एनआईआरटी, चेन्नई ने सीडीसी अटलांटा, अमेरिका के सहयोग से एक परियोजना शुरू की गई है जिसमें सीटीडी ने एनआईआरटी को देश भर की चुनी गई प्रयोगशालाओं से नमूने लेने की स्वीकृति दी है। एनआईआरटी ने 21 जनवरी 2019 को एनआईटीआरडी, नई दिल्ली में इन प्रयोगशालाओं के माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। श्री जीशान, माइक्रोबॉयोलाजिस्ट ने कार्यशाला में भाग लिया।

88. 23 जनवरी से 25 जनवरी 2019 को आरएनटीसीपी की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक (पश्चिमी क्षेत्र) हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

89. 30 जनवरी 2019 को ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। क्लीनिक में डा के के चोपड़ा, निदेशक–एनडीटीबीसी और डा अश्विनी खन्ना, एसटीओ द्वारा क्षेत्रीय आरएनटीसीपी को ध्यान में रखते हुए निक्षय प्रविष्टियों की स्थिति की समीक्षा की गई।

90. जीत परियोजना के अंतर्गत 19 फरवरी 2019 को महाराजा अग्रसेन हस्पताल, पंजाबी बाग में, दिल्ली में सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा निदेशक नेसीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन और क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

91. डा एम हनीफ माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने सीटीडी द्वारा फाइंड इंडिया के सहयोग से 22 फरवरी 2019 को एनटीआई बंगलौर में आरंभिक स्टेकहोल्डरों की बैठक में भाग लिया। यह बैठक टीबी एसएलएमटीए अप्रोच के प्रयोग से क्षयरोग सीएण्डीएसटी प्रयोगशालाएं ज्ञात करने के लिए से एनएबीएल के प्रत्यायन हेतु तैयारी शुरू करने के लिए रखी गई।

92. 25 फरवरी 2019 को एनडीटीबी केन्द्र में दिल्ली राज्य कार्यात्मक अनुसंधान समिति की बैठक हुई। केन्द्र के सकाय ने बैठक में भाग लिया। बैठक में नए और पुराने ओआर प्रस्ताव रखे गए। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एनडीटीबी केन्द्र में चल रहे अध्ययन (जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा) की स्थिति सामने रखी।

93. डा एम हनीफ माइक्रोबॉयोलाजिस्ट ने 28 फरवरी को भारतीय क्षयरोग संघ में हुई तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया। यह बैठक डा सोमशेखर, निदेशक, एनटीआई की अध्यक्षता में हुई। यह बैठक सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से ''क्षयरोग प्रयोगशाला उपस्कर के निराकरण एवं बदलाव हेतु दिशा–निर्देश'' को अंतिम रूप देने तथा अनुमोदन के लिए आयोजित की गई।

94. 11 मार्च 2019 को डीएनबी छात्रो की परीक्षा ली गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक इस प्रैक्टिल परीक्षा के परीक्षक थे।

95. मार्च 2019 में विश्व क्षयरोग सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष का थीम है ''It’s time''. इस अवसर पर दिल्ली के विभिन्न चैस्ट क्लीनिकों और हस्पतालों में सीएमई/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक को इन सीएमई के लिए आमंत्रित किया गया और उन्होंने ''क्षयरोग प्रबंधन और क्षयरोग अधिसूचना'' तथा ''दिल्ली राज्य में क्षयरोग नियंत्रण की स्थिति''पर व्याख्यान दिया। उनके दौरों का विवरण इस प्रकार है :

क) 12 मार्च 2019 को बीजेआरएम हस्पताल में सीएमई
ख) 14 मार्च 2019 को बीजेआरएम हस्पताल में सीएमई
ग) 15 मार्च 2019 को आरटीआरएम हस्पताल में सीएमई
घ) 19 मार्च 2019 को रोहिणी चैस्ट क्लीनिक में सीएमई
ड) 20 मार्च 2019 को एनडीटीबीसी में सीएमई
च) 27 मार्च 2019 को बीएल कपूर हस्पताल में सीएमई
छ) 30 मार्च 2019 को रोहिणी वेस्ट जोन चैस्ट क्लीनिक हस्पताल में सीएमई

96. 16 मार्च 2019 को क्षयरोग मुक्त भारत अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग प्रबंधन और क्षयरोग अधिसूचना'' विषय पर व्याख्यान दिया।

97. विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने डीडी न्यूज़ पर ''क्षयरोग'' पर लाइव वार्ता की।

98. विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर भारतीय चिकित्सा परिषद ने एक समारोह का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने कार्यक्रम में भाग लिया।

99. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 25 मार्च 2019 विश्व क्षयरोग दिवस का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ''एण्ड टीबी स्ट्रेटजी'' विषय पर भारतीय जेआई क्षयरोग के विशेषांक का विमोचन किया गया।

100. करावल नगर क्लीनिक में सीएमई का आयोजन किया गया। डा शंकर माटा एपीडिमॉलाजिस्ट ने ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

101. उत्तर क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय कार्यदल कार्यशाला 2019 आयोजित की गई। यह कार्यशाला 29 मार्च 2019 को ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित की गई । इन तीन दिनों के दौरान क्षमता निर्माण के साथ–साथ विभिन्न राज्यों से मसौदा प्रस्ताव पर चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने कार्यशाला में भाग लिया।

बैठकें

1. 27 अप्रैल 2018 को क्षयरोग संघ की उपसमिति की बैठक हुई। बैठक में उनके भवन के रख–रखाव के बारे में चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में सदस्य के तौर पर भाग लिया।

2. 18 जुलाई 2018 को एनडीटीबी केन्द्र की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) के कार्यालय में हुई। बैठक में समूह 'क' के डाक्टरों पर चर्चा की गई और समिति ने स्वीकृति दी।

3. एनडीटबी केन्द्र में 8 अगस्त 2018 को एनडीटीबी की एमएसीपी समिति की बैठक हुई। बैठक में स्टाफ के 3 मामलों पर चर्चा हुई और स्वीकृति दी गई।

4. 10 अक्तूबर 2018 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रबंधन समिति की बैठक डा एल एस चौहान की अध्यक्षता में एनडीटीबी के सम्मेलन कक्ष में हुई। बैठक में सामान्य प्रशासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

5. 11 अक्तूबर 2018 को मानव रचना विश्वविद्यालय के दल के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं तथा प्रशिक्षण गतिविधियों से संबंधित बैठक हुई।

6. डा हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने आरएनटीसीपी के तहत एनआटीपीसी प्रयोगशालाओं के लिए उपभोग्य सामग्री के मात्रा निर्धारण के वैधीकरण के लिए समिति की बैठक में भाग लिया। यह बैठक 17 अक्तूबर 2018 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग में हुई।

7. 73वीं एनएटीसीओएन के लिए सामान्य व्याख्यानों का चयन करने के लिए भारतीय क्षयरोग संघ में 5. 11.2018 को बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया। बैठक के दौरान विभिन्न वाचनों के लिए पुरस्कार विजताओं तथा पुरस्कारों का चयन किया गया।

8. नई दवाओं तथा पथ्य पर अनुभवों को सांझा करने के लिए 15 नवम्बर 2018 को उत्तर क्षेत्र की एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नई दवाओं के प्रयोग और नोडल डीआर केन्द्रों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सत्र की अध्यक्षता की।

9. डा एम हनीफ बैक्टिरियोलॉजिस्ट 11.12.2018 को एनएसीओ कार्यालय, नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय तकनीक विशेषज्ञ समूह (निदान) की दूसरी बैठक में हिस्सा लिया।

10. बीस दिसम्बर 2018 को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली आरएनटीसीपी के राज्य क्षयरोग फोरम की बैठक श्री संजीव खीरवार, सचिव, एचएण्ड एफ,जीएनसीटीडी की अध्यक्षता में हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने राज्य क्षयरोग फोरम समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

11. डा हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने वीपीसीआई में तकनीकी समिति की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। यह बैठक बीएसएल III प्रयोगशाला की संस्थापित करने के लिए विशिष्टियों का विकास करने के लिए आयोजित की गई।

12. 28 जनवरी 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में बतौर सदस्य भाग लिया। बैठक में एक अनुसंधान परियोजना पर चर्चा की गई और उसक स्वीकृति दी गई।

13. 4 फरवरी 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छ परियोजनाओं पर चर्चा की गई जिसमें से 4 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई तथा शेष 2 परियोजनाओं में कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया गया।

14. डा के के चोपड़ा (निदेशक) ने 1 मार्च 2019 को भारतीय क्षयरोग संघ की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान वर्ष के लिए टीबी सील पुरस्कारों पर चर्चा की गई और अंतिम रूप दिया गया।

प्रशिक्षण

1. दिल्ली राज्य के चेस्ट क्लिनिक के चिकित्सा अधिकारियों के लिए 9 से 10 अप्रैल 2018 तक पीएमडीटी के संशोधित दिशानिर्देशों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 12 से 13 अप्रैल 2018 तक भी किया गया।

2. सीबीएनएएटी के परीक्षण के बारे में हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, दिल्ली के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियन के लिए 10 अप्रैल 2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट और तीन एलटी ने इस सत्र में भाग लिया।

3. आरएनटीसीपी नई दिल्ली के टीबी केन्द्र ने टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता के लिए डीबीटी के भारत सरकार के दिशानिर्देशों को कार्यान्वित करने के लिए दिल्ली राज्य के डीटीओ और डीईओ को अप्रैल 1, 2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसी प्रकार का प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अप्रैल 2018 को भी आयोजित किया गया।

4. वेल्लोर, दक्षिण भारत के नर्सिंग छात्रों के लिए 12 अप्रैल 2018 को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 32 नर्सिंग छात्रों न प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उन्हें क्षयरोग की बीमारी, उपचार और निवारण तथा टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में बताया गया। डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, सार्वजनिक स्वास्थनर्स ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

5. दिल्ली राज्य के एसटीएस क्लीनिकों के लिए पीएमडीटीकी संशोधित दिशानिर्देशों पर 16 और 17 अप्रैल, 2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसटीएलएस के लिए भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 19 और 20 अप्रैल 2018 को किया गया।

6. संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के फील्ड क्षेत्र में काम करने वाले एनजीओजीएलआरओ के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को 23 अप्रैल, 2018 को पीएमडीटी के नए दिशानिर्देशों के बारे में जागरूक किया गया।

7. नए निदान और क्षयरोग पथ्य पर डॉ. एन.सीजोशीमैमोरियल हॉस्पिटल के चिकित्सा अधिकारियों के लिए 27 अप्रैल 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने इस अवसर पर नए निदान और क्षयरोग पथ्य पर एक व्याख्यान दिया।

8. वर्तमान प्रगति के बारे में अपने ज्ञान को अद्यतन करने के लिए दिल्ली आरएनटीसीपी में काम करने वाले एसटीएलएस के लिए 2 अगस्त 2018 को एनडीटीबी केन्द्र में एक दिवसीय पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।एसटीएस के लिए इसी प्रकार की कार्यशाला का आयोजन 3 अगस्त को किया गया और एलटी के 8 बैच के लिए 6,8,13, 16,20,23,27 और 30 अगस्त 2018 किया गया।

9. लेडीरिडिंगहेल्थ के नर्सिंग छात्रों के लिए 14 सितंबर 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गयज्ञ 21 एलएचवी छात्रों न प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उन्हें क्षयरोगियों की बीमारी, उपचार और देखभाल तथा टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, सार्वजनिक स्वास्थ नर्स ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

10. रोहिणी चेस्ट क्लिनिक में 'केस एंड टीबी स्ट्रेटजी का सक्रिय रूप से मामलों का पचा लगाने के लिए 25 सितंबर 2018 को आशा कार्यकर्ता प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान, डॉ. के.केचोपड़ा ने व्याख्यान दिया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन आर.के. मिशन चेस्ट क्लिनिक में 26 सितंबर 2018 और किंगस्वे कैंप में 27 सितंबर 2018 को किया गया।

11. गलगोटिया कॉलेज ऑफ के बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए 4 अक्तूबर 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। चौथो वर्ष के 36 नर्सिंग छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लियाजिसमें उन्हें क्षयरोग की बीमारी, उपचार और निवारण तथा टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया।डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

12. सीबीएनएएटी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 15 अक्टूबर 2018 को एनडीटीबी केंद्र की प्रयोगशाला में आयोजित की गई। प्रशिक्षण में 2 प्रयोगशाला तकनीशियनों और हिमसरके माइक्रोबायोलॉजी विभाग के 1संकाय सदस्य ने भाग लिया।

13. इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, एंटवर्प, बेल्जियम से डॉ. सारा सेंगस्टेक और क्रिस्टल डर्समारेज की एक टीम ने 22 से 26 अक्टूबर, 2018 तक हमारी प्रयोगशाला का दौरा किया।यात्रा का उद्देश्य स्ट्रीम ट्रेल में उपयोग की जाने वाली कुछ प्रयोगशाला तकनीकों में अपने प्रयोगशाला कर्मियों को प्रशिक्षित करना था। जिसके लिए अध्ययन स्थलों के रूप में हमारी प्रयोगशाला को गया।

14. आरएनटीसीपी ने टीबी रोगियों के रिकॉर्ड और डीएसटी के मरीजों को पोषण संबंधी प्रोत्साहन देने के लिए निक्शे संस्करण 2 का आरंभ किया गया। आरएनटीसीपी, दिल्ली राज्य कर्मचारियों की सभी वर्गो के लिए निम्नलिखित तारीखों पर एसटीडीसी म ें प्रशिक्षण आयोजित किया गयाः

→ एसटीएलएस के लिए 22.10.2018 और 23.10.2018

→ एमओएस के लिए 25.10.2018 और 26.10.2018

→ पीएमडीटी समन्वयकों के लिए 31.10.2018

15 दवाओं के औचित्य के लिए दिल्ली सोसायटी ने सरकारी और निजी अस्पतालों की नर्सों के लिए पांच दिनों का सर्टिफिकेट कोर्स किया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने ''टीबी की रोकथाम में नर्सों की भूमिका'' पर एक चर्चा की।

16 होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए अक्टूबर 29 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 81 एलएचवी छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उन्हें क्षयरोग केनिवारण, बीमारी, उपचार और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

17 निक्षय संस्करण 2 के प्रशिक्षण दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के अंतर्गत डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी, एसटीएस, एसटीएलएस, सांख्यिकी सहायक, जिला पीएमडीटी और टीबी एचआईवी समन्वयक और डीईओ के लिए निम्नलिखित तिथियों को एनडीटीबी केंद्र में आयोजित किए गए थे:

–डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए 23 नवंबर 2018

–डीटीओ के लिए 2 नवंबर

– एसटीएस के लिए 8 नवंबर, 2018

–एसटीएस के लिए 9 नवंबर 2018

18 निक्षय संस्करण 2 के प्रशिक्षण दिल्ली आरएकेकॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के लिए 18 नवंबर 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नर्सिंग छात्रों को क्षयरोग केनिवारण, बीमारी, उपचार और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

19 सियान अंतराष्ट्रीय के साथ मिलकर क्षयरोग उपचारित रोगियों एवं उनके परिवारों के लिए 19 एवं 20 नवंबर 2018 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षयरोग केनिवारण, बीमारी, उपचार और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माता, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

20 दिल्ली स्टेट आरएनटीटीसीपी के अंतर्गत डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी, एसटीएस, सांख्यिकीय सहायक, जिला पीएमडीटी और टीबी/एचआईवी समन्वयक और डीईओ के लिए "प्रोक्योरमेंट एंड सप्लाई चेन और निक्षय आयुषी" पर एनडीटीबी सेंटर में निम्नलिखित तिथियोंको प्रशिक्षण का आयोजन किया गया :

- डीटीओ के लिए 4 –12– 2018 को
- एमओ के लिए 5-–12– 2018 और 6-12– 2018 को
- एसटीएस के लिए 11-12- 2018 और 12–12- 2018 को

- डीईओके लिए 18-12-2018 को
- टीबी एचआईवी समन्वयक के लिए 20–12–2018 को

21 एनडीटीबी सेंटर में 17 से 28 दिसंबर, 2018 तक कॉल सेंटर एक्जिक्यूटिवस के लिए दस दिनों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया । कॉल सेंटर एक्जिक्यूटिवसनागरिकों, टीबी रोगियों, सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्हें टीबी अधिसूचना, परामर्श, सेवा प्रदान करने और रोगी सहायता सेवाओं को जोड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

22 डॉ. एम. हनीफ, बैकटिरीयोलॉजिस्ट नें 18 और 19 दिसंबर 2018 को जालमा आगरा में आयोजित लिक्विड कल्चर और डीएसटी में प्रशिक्षकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया ।

23 नाइटिंगेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग (चौथे वर्ष के जीएनएम नर्सिंग छात्रों) के नर्सिंग छात्रों केलिए 8 जनवरी 2019 को आरएनटीसीपी नेक्षयरोग कार्यक्रम पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई । उन्हें आरएनटीसीपके तहत टीबी के रोगियों की देखभाल के बारे में विस्तार से बताया गया अर्थात् टीबी की बीमारी, उपचार के तौर–तरीके आदि और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया।

24 लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के लिए आरएनटीसीपी के तहत क्षयरोग कार्यक्रम पर 16 जनवरी 2019 को जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके बाद 17 जनवरी, 2019 को पर्यवेक्षणदौरे के लिए प्रयोगशाला, मंटौक्स रूम, डॉट्स सेंटर में तैनाती दी गई।

25 ई–प्रशिक्षण सामग्री विकास के लिए एम्पॉवर स्कूल ऑफ हेल्थ (संघ द्वारा पहचाना गया भागीदार) के साथ 21 और 22 जनवरी 2019 को एफआईएनडीकार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. कौशल कु. द्वीवेदी, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने कार्यशाला में भाग लिया।

26 लेडी रीडिंग स्कूल के लेडी हेल्थ विजिटर छात्रों के लिए 7 फरवरी 2019 को आरएनटीसीपी के तहत क्षयरोग कार्यक्रम पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई । उन्हें आरएनटीसीपके तहत टीबी के रोगियों की देखभाल के बारे में विस्तार से बताया गया अर्थात् टीबी की बीमारी, उपचार के तौर–तरीके आदि और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। इस कार्यक्रम में कुल 21छात्रों ने भाग लिया।

27 गलगोटिया सीओएन.के बीएससी के नर्सिंग छात्रों के लिए 9 फरवरी 2019 कोआरएनटीसीपीके तहत क्षयरोग कार्यक्रम पर जागरूकता कार्यशालाआयोजित की गई। कुल 23 छात्रों को टीबी रोगियों की देखभाल, निवारण और नियंत्रण आदि में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया।

28 एनडीटीबी सेंटर में 11 और 12 फरवरी 2019 को सेंट्रल टीबी डिवीजन और एफआईएनडी द्वारा प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली (एलआईएमएस) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रयोगशाला के सभी तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।

29 एनडीटीबी सेंटर में सीबीएनएएटी के ईक्यूएपर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में 20 एसटीएलएस ने भाग लिया। सेफैड के प्रतिनिधियों ने भी कार्यशाला में भाग लिया और सबीएनएएटी मशीन के सामान्य रखरखाव के बारे में आरएनटीसीपी के कर्मचारियों को जागरूक किया। 19.2. 2019,21.2.2019, 22.2.2019 और 26.2.2019 को दिल्ली राज्य में आरएनटीसीपीके तहत काम करने वाले सभी प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए भी इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

30 कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के लिए, डॉ. विट्ठल राव पाटिल फाउंडेशन, अहमदनगर में आरएनटीसीपी ने बी.एससी के चौथे वर्ष और के जीएनएम तृतीय वर्ष के छात्रों ने टीबी की बीमारी, इसके उपचार, रोकथाम और नियंत्रण और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्स की भूमिका पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 61 छात्रों ने भाग लिया।

मोबाइल वाहन

दिल्ली राज्य को सीबीनैट के तहत मोबाइल वाहन प्रदान की गई। 12 जून 2018 के इको क्लीनिक के दौरान ये तह किया गया कि वाहन को विभिन्न छाती क्लीनिकों में नियमित आवर्तन पर भेजा जाये एवं एवं डीटीओ द्वारा इसका इस्तेमाल सामुदायिक जागरुकता एवं क्षयरोग स्क्रीनिग के लिये किया जाये। वर्ष के दौरान, आवर्तन अनुसार निम्नलिखित छाती क्लीनिकों में मोबाइल वाहन भेजी गयी –

क संख्या	तिथि	छाती क्लीनिक
1	13/06/2018	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
2	19/06/2018	आर बी टी बी छाती क्लीनिक
3	21/06/2018	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
4	25/06/2018	नरेला छाती क्लीनिक
5	26/06/2018	नरेला छाती क्लीनिक
6	28/06/2018	बी एस ए छाती क्लीनिक
7	29/06/2018	बी एस ए छाती क्लीनिक
8	02/07/2018	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
9	05/07/2018	जी टी बी एच छाती क्लीनिक
10	06/07/2018	जी टी बी एच छाती क्लीनिक

क संख्या	तिथि	छाती क्लीनिक
11	11/07/2018	जे पी सी शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
12	12/07/2018	जे पी सी शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
13	18/07/2018	हैडगेवार छाती क्लीनिक
14	19/07/2018	हैडगेवार छाती क्लीनिक
15	25/07/2018	करावल नगर छाती क्लीनिक
16	26/07/2018	करावल नगर छाती क्लीनिक
17	02/8/2018	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
18	03/8/2018	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
19	10/8/2018	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
20	23/8/2018	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
21	24/8/2018	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
22	06/9/2018	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
23	07/9/2018	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
24	13/9/2019	आर बी टी बी छाती क्लीनिक
25	14/9/2019	आर बी टी बी छाती क्लीनिक
26	19/9/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
27	20/9/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
28	27/9/2019	नरेला छाती क्लीनिक
29	4/10/2018	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
30	5/10/2018	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
31	11/10/2018	जी टी बी एच छाती क्लीनिक
32	12/10/2018	जी टी बी एच छाती क्लीनिक
33	31/10/2018	जे पी सी शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
34	14/11/2018	जे पी सी शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
35	15/11/2018	हैडगेवार छाती क्लीनिक
36	16/11/2018	हैडगेवार छाती क्लीनिक
37	30/11/2018	बी एस ए छाती क्लीनिक
38	6/12/2018	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
39	7/12/2018	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
40	13/12/2018	मोती नगर छाती क्लीनिक
41	14/12/2018	मोती नगर छाती क्लीनिक
42	17/12/2018	आर बी टी बी छाती क्लीनिक
43	18/12/2018	आर बी टी बी छाती क्लीनिक
44	20/12/2018	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
45	21/12/2018	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
46	31/12/2018	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
47	01/1/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
48	03/1/2019	संजय गांधी छाती क्लीनिक
49	04/1/2019	संजय गांधी छाती क्लीनिक

क संख्या	तिथि	छाती क्लीनिक
50	10/1/2019	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
51	11/1/2019	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
52	14/1/2019	करावल नगर छाती क्लीनिक
53	1/2/2019	करावल नगर छाती क्लीनिक
54	11/2/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
55	12/2/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
56	14/2/2019	नरेला छाती क्लीनिक
57	15/2/2019	नरेला छाती क्लीनिक

नैदानिक अनुभाग

क्लिनीकल विभाग 1940 से एनडीटीबी केंद्र का एक अभिन्न हिस्सा है, तब इसे मॉडल टीबी क्लिनिक के रूप में शुरू किया गया था। यह दिल्ली के राज्य और पड़ोसी राज्यों के सभी जटिल और कठिन मामलों के लिए एक सुपर–स्पेशियल रेफरल ओपीडी के रूप में प्रतिष्ठित है।

यद्यपि, यह राज्य स्तर के टीबी सेंटर के भीतर एक ओपीडी है, हमारे पास प्लेमनरी स्थितियों वाले रोगियों की एक बड़ी संख्या के साथ ही,अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, आईएलडी, एबीपीए, सरकोइडोसिस, पल्मोनरी हाइडैटिडोसिस और मैलिग्नेंसी के साथसाथ अनैदानिक, अन्य प्लेमनरी टीबी के सभी मामलों में भीहै। ओपीडी रेडियोलॉजिकल विभाग और फार्मेसी के साथ दैनिक आधार पर (सप्ताह में छः दिन), सुबह 9.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक चलता है।

पिछले वर्ष में, आधार वर्ष के रूप में 2013–14 की तुलना में ओपीडी उपस्थिति में 100% वृद्धि हुई है, कुल 23711 रोगियों को देखा और प्रबंधित किया गया।

एक विशेष सीओएडी क्लिनिक क्लिनिकल अनुभाग द्वारा चलाया जाता है। यह ओपीडी श्वासमार्ग अवरोध के रोगियों को समाधान और राहत प्रदान करती है। आधार वर्ष के रूप में 2013–14 की तुलना में पिछले वर्ष (कुल 1293) में प्रबंधित रोगियों की संख्या में चार गुना वृद्धि हुई है।

रोगी की देखभाल के अतिरिक्त, क्लिनिक अनुभाग केव्यवसायिक विकास अवसरों के साथ, मेडिकल और पैरा–मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पिछले एक साल में 163 एमबीबीएस स्नातक और 52 टीबी एचवी छात्रों को यहां प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने नियमित शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें 20 संगोष्ठियां और 60 क्लिनिकल मामले पर चर्चा, 60 जर्नल की समीक्षा और 25 मामलों की समीक्षाएं शामिल हैं। इस वर्ष क्लिनिकल अनुभाग के डॉक्टरों के लिए पल्मोनरी रिहेबिलिटेशनमुख्य केन्द्र बिंदु रहा है।

रोगी के इतिहास की जानकारी के सभी बुनियादी कौशल, क्लिनिकल परीक्षण, चेस्ट एक्स–रे का विवेचन, और सभी संबद्ध नैदानिक परीक्षण और उपचार कौशल उन्हें प्रदान किए गए ।

वर्ष के दौरान कुल ओपीडी उपस्थिति (अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक)

क्रम सं	माह	पुरुष	स्त्री	कुल
01	अप्रैल 2018	419	634	1053
02	मई 2018	456	706	1162
03	जून 2018	360	541	901
04	जुलाई 2018	459	748	1207
05	अगस्त 2018	337	702	1039
06	सितंबर 2018	384	555	939
07	अक्टूबर 2018	368	645	1013
08	नवंबर 2018	317	447	764
09	दिसंबर 2018	317	512	829
10	जनवरी 2019	353	577	930
11	फरवरी 2019	337	590	927
12	मार्च 2019	406	657	1063
	कुल	**4513**	**7314**	**11827**

पिछले 6 वर्षो के दौरान क्लीनिकल अनुभाग में कुल ओपीडी उपस्थिति

क्रम स	वर्ष	ओपीडी उपस्थिति			विशेष ओ पी डी (सीओएडी)	एक्सरे
		नई ओपीडी	पुनः उपस्थिति	कुल		
01	2013-14	6396	4610	11006	277	621
02	2014-15	7843	6144	13987	277	980
03	2015-16	9828	8572	18400	296	1565
04	2016-17	10157	9895	20052	562	1561
05	2017-18	11535	11064	22599	1022	2505
06	2018-19	11827	11884	23711	1293	1914

रेडियोलॉजिकल प्रशिक्षण

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2018–19 के दौरान महीने अनुसार रेडियोलॉजिकल प्रशिक्षण दर्शाती है।

क्र सं	माह	एक्सरे ओ पी डी	स्क्रीय मामला खोज एक्सरे जांच	कुल किये गये एक्सरे
1.	अप्रैल 2018	221	-	221
2.	मई 2018	229	-	229
3.	जून 2018	100	-	100
4.	जुलाई 2018	145	21	166
5.	अगस्त 2018	144	-	144
6.	सितंबर 2018	130	21	151
7.	अक्टूबर 2018	168	4	172
8.	नवंबर 2018	148	5	153
9.	दिसंबर 2018	121	15	136
10.	जनवरी 2019	153	-	153
11.	फरवरी 2019	129	-	129
12.	मार्च 2019	160	-	160
	कुल	**1848**	**66**	**1914**

डॉट केन्द्र

केन्द्र के परिसर में स्थित डॉट एवं माइक्रोकॉपी केन्द्र फरवरी 2017 में दुबारा शुरु किया गया। अभी तक हमने 209 मरीजो को डाट केन्द्र में पंजीकृत किया गया। वर्तमान में निम्नलिखित मरीज नियमित उपचार ले रहे है –

श्रेणी	कुल मरीज
श्रेणी 1	77
श्रेणी 2	12
बाल चिकित्सा मामले	05
कुल	**94**

– बाहर भेजे गये – 06
– स्थानांतरित – 01
– मृत्यु – 01
– बाहर भेजे गये – 06
– चूके गये – 01

जनपादिक अनुभाग

नई दिल्ली क्षयरोग केंद्र का जनपदिक विभाग विभिन्न गतिविधियों में शामिल है। कुछ प्रमुख गतिविधियों को विभिन्न संगठनों के कर्मचारियों जैसे राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, दूतावास, होटल और कॉर्पोरेट क्षेत्र के स्टेक होल्डर्स की जांच करने के लिए आरंभ किया गया । यह विभाग केंद्र द्वारा समय–समय पर की जा रही विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल है, जो दिल्ली राज्य के विभिन्न चेस्ट क्लीनिकों की निगरानी और पर्यवेक्षण करती है, जो राज्य टीबी सेल के सहयोग से संचालित की जा रही है। यह विभाग विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों के लिए साल भर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है, जिसमें जमीनी स्तर के कर्मचारियों, नर्सिंग कर्मियों के साथ–साथ चिकित्सा अधिकारियों, निजी चिकित्सकों को भी शामिल किया जाता है। वर्ष 2018–19 के दौरान, जामिया मिलिया इस्लामिया के एक छात्र ने एनडीटीबी केंद्र में प्रशिक्षण जारी रखने का विकल्प चुना, जहां उन्होंने केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में ''डॉट्स सेंटर में आने वाले टीबी रोगियों के बीच स्प्यूटम डिस्पोजल का अभ्यास '' नामक एक अध्ययन किया। यह विभागएक्टिव केस फाइंडिंग अभियान की देखरेख में भी शामिल था जिसे आरएनटीसीपी द्वारा प्रसारित किया जाता है। एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान, टीबी रोगसूचक की खोज के लिए घर–घर सर्वेक्षण के माध्यम से, केंद्रीय टीबी अनुभाग द्वारा जनवरी 2017 में प्रस्तावित किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर की गतिविधि थी जो तब से पूरे देश में लागू की जा रही है।

ईको क्लिनिक

ईको एक वेब आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंस प्लेटफॉर्म है जिसका उपयोग दिल्ली में राज्य टीबी सेल सहित सभी चेस्ट क्लीनिक द्वारा किया जा रहा है। इन क्लीनिकों की डीटीओ के दौरान सभी चेस्ट क्लीनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ जाते है और टीबी कार्यक्रम के विभिन्नपहलुओं जैसे मामले का प्रस्तुतिकरणध्वर्तमान अद्यतनिकरण आदिपर चर्चा करते हैं। यह गतिविधि अत्यधिक सफलता रही है। हर हफ्ते ईसीएचओ क्लीनिक आयोजित किए जाते हैं। जनपदिक विभाग सहित एनडीटीबी केंद्र के सभी विभाग समय–समय पर क्लिनिक को सुविधाजनक बनाने एवं संचालित करने में शामिल होते ।

जन स्वास्थ्य अनुभाग

जन स्वास्थ्य अनुभाग नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र का एक विभाग है। यह विभाग जन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए काम करता है।

स्वास्थ्य वार्ता

स्वास्थ्य वार्ता एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसके माध्यम लोगों में जानकारी का प्रसार किया जाता है। एक से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुंचाने का यह सबसे सरल तरीका है। इसे ध्यान में रखते हुए ओपीडी हाल में नियमित रूप से क्षयरोग पर स्वास्थ्य पर बातचीत की जाती हैं जिसमें 100 तक रोगी और उनकी रिश्तेदार प्रतिदिन आते हैं।

क्षयरोग जागरुकता

क्षयरोग जागरुकता को प्लेकार्ड का उपयोग करके उत्पन्न किया जाता है जो समय समय पर प्रदर्शित किये जाते है। हम ऑडियो–विजुअल के माध्यम से हमारे रोगियों और उनके रिश्तेदारों में जागरूकता लाने का प्रयास करते हैं। हमने क्षयरोग पर कई लघु वृत्तचित्र बनाए हैं जिसे कि हमारे मुख्य ओपीडी हॉल में दिखाया जाता है। हमारे द्वारा मौखिक रूप से दिए जाने वाले संदेशो का याद रखने के लिए हम आने वाले लोगों को ऐसे संदेश प्रिंट रूप में देते हैं।

क्षयरोग निरीक्षक पाठयक्रम

जन स्वास्थय विभाग क्षयरोग निरीक्षण पाठ्यक्रम भी चलाता हैं। यह तीन माह का पाठ्यक्रम होता है जिसमें देश के अलग–अलग हिस्सों से छात्रों का चयन किया जाता है। अध्यापन, व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्र का दौरा करना और प्रदर्शन इस पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग हैं। 3 माह के दौरान छात्रों निम्नलिखित के प्रति सजग किया गया :

- क्षयरोग और उसकी भूमिका
- आरएनटीसीपी कार्यक्रम एवं डॉटस (व्यावहारिक एवं सिंद्वांत)
- समुदाय आधारित संक्रमण पारस्परिकता सहित क्षयरोग के सामान्य पक्ष
- कार्यक्रम में हाल में ही किये गये अद्यतन
- उनकी भूमिका और जिम्मेदारियां

इसमें छात्रों को केन्द्र के विभिन्न विभागों जापदिक विभाग, नैदानिक विभाग, डॉट केन्द्र और मैनटॉक्स कक्ष में बारी–बारी से भेजा जाता है। छात्र केन्द्र के विभिन्न क्रियाकलापों में भी भाग लेते हैं जैसे मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उनके साथ स्वास्थय वार्ता करना, उन्हें काउंसलिंग देना इत्यादि। पाठ्यक्रम के अंत में प्रायोगिक और सैद्धांतिक परीक्षा ली जाती है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर छात्रों को टीबीएचवी पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह पाठ्यक्रम आरएनटीसीपी द्वारा प्रत्यायित है। वर्ष 2018–19 में चार बैचों ने क्षयरोग निरीक्षक प्रशिक्षण लिया। छात्रों की कुल संख्या 52 थी।

मैनटॉक्स जांच

मैनटॉक्स जांच एनडीटीबी केन्द्र पर की जाती है। एडीटीबी केन्द्र की ओपीडी के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी हस्पतालों और निजी चिकित्सकों द्वारा भी रोगियों को मैनटॉक्स जांच के लिए केन्द्र में रेफर किया जाता है।

अप्रैल 2018 से मार्च 2019 की अवधि में एनडीटीबी के चैस्ट क्लीनिक में 10318 मैनटॉक्स परीक्षण किए गए। इनमें से 9175 रोगियों के परिणाम उपलब्ध हैं। मैन्टॉक्स जांच का माह वार विवरण नीचे दिया गया है :

माह 2018-19	**कुल परीक्षण**	**पठित**	**रीएक्टर्स >10 एमएम**	**रीएक्टर्स <10 एमएम**
अप्रैल 2018	916	834	381	453
मई 2018	896	792	394	398
जून 2018	869	755	253	502
जुलाई 2018	1030	902	461	441
अगस्त 2018	902	806	416	390
सितंबर 2018	886	798	378	420
अक्टूबर 2018	855	761	308	453
नवंबर 2018	720	642	296	346
दिसंबर 2018	740	656	337	319
जनवरी 2019	738	665	337	328
फरवरी 2019	913	799	387	412
मार्च 2018	853	765	345	420
कुल	**10318**	**9175**	**4293**	**4882**

टीबी रोधक सप्ताह का आयोजन

''यह टीबी को समाप्त करने का समय है'' लोगों को टीबी को समाप्त करने के लिए जागरूक करने का स्लोगन है। यह विषय दुनिया भर में सबसे कम उम्र के लोगों को टीबी के उन्मूलन के लिए एक व्यक्तिगत आह्वान करने और यह कहने के लिए प्रोत्साहित करता है कि वे अपने जीवन काल में क्या बदलाव लाते हैं।

पिछले कई वर्षों से, नई दिल्ली टीबी सेंटर रोगियों और समुदाय को लक्षित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। ये गतिविधियाँ अपने बीच टीबी के बारे में एक प्रभाव और समझ छोड़ती हैं। इस वर्ष एंटी टीबी सप्ताह 19-3-2019 से 30-3-2019 तक नई दिल्ली टीबी सेंटर में मनाया गया, जिसमें रोगियों और आम जनता के लिए स्वास्थ्य वार्ता, चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन और अन्य प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस वर्ष निम्नलिखित गतिविधियां की गईः

चित्रकला प्रतियोगिता

हर साल गैर सरकारी संगठनों के बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें एसपीवाईएमऔर बच्चों का घर में टीबी के विभिन्न पहलुओं जैसे, टीबी के प्रकार, शामिलअंग, रोकथाम, टीबी के उपचारआदि को शामिल किया जाता है इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या 30 थी।

सामुदायिक बैठकें

किसी भी बीमारी की बुनियादी जानकारी साझा करने के लिए सामुदायिक बैठकें या जागरूकता कार्यक्रम एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपकरण है। चूंकि टीबी संक्रामक है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक व्यक्ति को टीबी के बारे में मूल बातें पता होनी चाहिए। इस साल सामुदायिक बैठक का आयोजन पुरानी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके हौज काजी में किया गया था। बैठक में लगभग 50–60 सामुदायिक निवासी उपस्थित थे। यह दोहरी चर्चा थी जिसमें बीमारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

कविता प्रतियोगिता

एसपीवाईएमऔर बच्चों का घर के बच्चों ने 23-3-2019 को एनडीटीबीसीका दौरा किया और टीबी पर एक कविता लिखी। दोनों संगठनों (एसपीवाईएम और बच्चों का घर) के बच्चों ने टीबी पर एक कविता लिखकर अपने विचार व्यक्त किए। सभी कार्यक्रम का निर्णय निर्णायकों के पैनल द्वारा किया गया और बच्चों को 30-3-2019 को आयोजित विदाई समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिया गया था। आयोजन में कुल 30 छात्रों ने भाग लिया।

स्लोगन प्रतियोगिता

केवल एसपीवाईएमके बच्चों के बीच स्लोगनप्रतियोगिता आयोजित की गई । स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए 26–3–2019 को एनडीटीबीकेंद्र के कर्मचारियों ने एसपीवाईएमका दौरा किया। आयोजन में कुल 28 छात्रों ने भाग लिया।

क्रम	तिथि	नियोजित गतिविधि / गतिविधि का नाम	विवरण / सार
1	19.03.2019	विश्व क्षयरोग दिवस कार्यक्रम का उदघाटन	क्षयरोग निरीक्षक छात्रों द्वारा स्वास्थ्य चर्चा एवं डाक्टरो के द्वारा स्वास्थय परिचर्चा
2	19.03.2019	चित्रकला प्रतियोगिता	एसपीएवाईएम एवं बच्चों के घर के छात्रों द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से क्षयरोग के विभिन्न पहलुओ को दिखाया गया।
3	22.03.2019	समुदायिक मिलन	क्षयरोग निरीक्षक छात्रों एवं सामुदायिक नागरिक
4	23.03.2019	कविता प्रतियोगिता	क्षयरोग निरीक्षक छात्र, एसपीएवाईएम एवं बच्चों के घर छात्रों द्वारा क्षयरोग पर कविता लिखी गई
5	26.03.2019	स्वास्थय परिचर्चा एवं नारा प्रतियोगिता	एसपीएवाईएम रैनबसेरा, दरियागंज का दौरा किया गया जिसमें रहने वालों को क्षयरोग पर नारा प्रतियोगिता करवाई गई
6	30.03.2019 से	समापन समारोह	

भाग लेने वाले संस्थान –

– एसपीएवाईएम

– बच्चों के घर

सामुदायिक बैठकें और स्वास्थ्य वार्ता

तारीख	कार्यक्रम	भागीदारी
31.5.2018	एसपीवाईएम नशा मुक्ति केंद्र में स्वास्थ्य वार्ता आयोजित करके विश्व तंबाकू दिवस मनाया गया, जिसमें निवासियों को तंबाकू और दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में समझाया गया	एसपीवाईएम के निवासी,
5.6.2018	विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी छात्रों ने सामूहिक रूप से इस अवसर को मनाने और स्वच्छता के महत्व को दिखाने के लिए अपनी कक्षाओं को साफ किया	टीबी पर्यवेक्षक छात्र
1.7.2018	विश्व डॉक्टर दिवस पर, निदेशक और जनपदिक विशेषज्ञ, एनडीटीबीसी ने जामिया इस्लामिया के टीबी पर्यवेक्षक छात्रों और छात्रों के लिए टीबी दवाओं के दुष्प्रभावों पर चर्चा की।	टीबी पर्यवेक्षक पाठ्यक्रम और जामिया इस्लामिया के छात्र।
13.8.2018	टीबी पर्यवेक्षक पाठ्यक्रम के सभी पुराने छात्रों, बैच 15 ने विश्व युवा दिवस को मनाने के लिए टीबी की सामान्य जागरूकता के लिए अजमेरी गेट पर नुक्कड़ नाटक किया।	सामुदायिक निवासियों और छात्रों
20.11.2018	एनडीटीबीसी में वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया गया	छात्र और स्टाफ
1.12.2018	विश्व एड्स दिवस पर, एचआईवी और एड्स के बारे में आगंतुकों को जागरूक बनाने के लिए मुख्य ओपीडी हॉल में एक स्वास्थ्य वार्ता की गई	छात्र और स्टाफ
24.3.2019	19.3.2019 से 30.3.2019 तक एंटी टीबी सप्ताह मनाया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।	निवासियों, स्टाफ और छात्र

माइक्रोबैक्ट्रीरियल प्रयोगशाला

नई दिल्ली क्षयरोग केंद्र की प्रयोगशाला को केंद्रीय टीबी विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में नामित किया है।

आईएसओ 15189% 2012 मानकों के दायरे में चिकित्सा प्रयोगशाला परीक्षण करने की तकनीकी में दक्षता के लिए प्रयोगशाला को 25-7-2018 को परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं (एनएबीएल) के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त है।

प्रयोगशाला, स्ट्रीमक्लिनिकल परीक्षण चरण 2 में भी शामिल है, जो राजन बेबी इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीआईपीएमटी) को प्रयोगशाला सहायता प्रदान करता है।

यह प्रयोगशाला दिल्ली आरएनटीसीपी में नियुक्त प्रयोगशाला कर्मियों के प्रशिक्षण देने में सक्रिय है। इसके अलावा, आईआरएलदिल्ली के 21 चेस्ट क्लीनिकों में ऑनसाइट मूल्यांकन दौरा आयोजित किया। आईआरएलमासिक आधार पर चेस्ट क्लीनिक से प्राप्त रिपोर्ट को भी संकलित किया और और उन्हें एनआरएलऔर सीटीडी को भेजा।

उपरोक्त के अलावा नई दिल्ली क्षयरोग प्रयोगशाला पांच आरएनटीसीपी पूर्ण जीनोम क्रमिकता सुविधाओं में से एक है। इस सुविधा के तहत प्रयोगशाला इलुमाइन मिसेक बेंच टॉप सीक्वेंसर प्रणाली से लैस थी। जब यह पूरी तरह कार्य करने लगेगी तो यह प्रयोगशाला आणविक जनपदिक विज्ञान को निरूपित करने और दवा प्रतिरोध के हॉट स्पॉट का पता लगाने में सहायक होगी।

तालिका – आर एन टी सी पी के तहत सूक्ष्मदशीय गतिविधियां (2018–2019)

जिला	निदान हेतु जांचे गये संदिग्ध क्षयरोगी	सकारात्मक पाये गये संदिग्ध क्षयरोगी	पुनः थूक परीक्षण संदिग्ध क्षयरोगी	पुनः परीक्षण पर सकरात्मक पाये गये संदिग्ध क्षयरोगी	परीक्षित अनुवर्ती रोगी	अनुवर्तन में सकरातक पाये गये क्षयरोगी	जांची गयी स्लाइडों की कुल संख्या
बी जे आर एम	6232	510	35	4	2209	55	14809
जी टी बी एच	8664	954	5	1	2017	75	19701
हैडगेवार	18450	1838	51	6	4632	151	42149
के सी सी	7035	599	20	3	2130	55	16168
लोकनायक	10894	898	15	1	792	47	22608
झंडेवालान	2502	330	2	0	1148	78	6117
एस पी एम	4271	494	0	0	897	47	9537
आर के मिशन	2950	361	0	0	858	47	6744
नेहरु नगर	15249	1841	358	43	5286	348	36157

मोती नगर	10584	1441	20	2	3879	182	25513
आर टी आर एम	8154	787	11	0	2395	207	20059
नरेला	7860	917	2	0	2607	153	18492
करावल नगर	7252	1044	8	1	2980	128	17552
एन डी एम सी	21846	2112	658	0	2356	123	46562
बी एस ए	6480	783	45	4	2210	117	15176
डी डी यू एच	11972	1371	24	1	3560	172	27022
गुलाबी बाग	3009	276	0	0	647	29	6646
एस जी एम एच	5485	657	0	0	2435	61	13270
पटपड़गंज	6330	936	23	8	3112	259	17372
चैाधरी देसराज	6118	697	16	5	1837	122	14100
मालवीय नगर	4876	647	0	0	2723	306	12478
एनआईटीआरडी	8229	708	6	0	2036	88	18516
शाहदरा	6283	743	314	3	2465	103	15372
बिजवासन	5929	546	1	0	1787	191	13631
पटपड़गंज टीयू 1	12542	1544	103	1	3895	213	29209
	209196	**23034**	**1717**	**83**	**60893**	**3357**	**484960**

वर्ष के दौरान दिल्ली राज्य के सभी 25 क्लीनिकों में क्षयरोग शंका वाले कुल 2,09,196 मामलों की रोग का पता लगाने के लिए जांच की गई जिसमें से 23,034 मामले पॉजीटिव पाए गए। टीबी प्रयोगशाला के परिणामों से प्राप्त आंकडों के अनुसार 4,84,960 स्लाइडों की जांच की गई जिसमें से 49,379 स्लाइडें पॉजीटिव पाई गई। जबकि कुल 4,35,581 स्लाइडें नेगटिव थी।

स्थल मूल्यांकन दौरा एवं पैनल परीक्षण

एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट, एक चिकित्सा अधिकारी और एक प्रयोगशाला तकनीकशियन से बना आईआरएल दल स्थल मूल्यांकन के लिए डीटीसी हेतु साल में कम से कम एक बार प्रत्येक चैस्ट क्लीनिक का दौरा करता हैं। दौरे मे यादृच्छिक आधार पर लिए गए डीएमसी को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाता है।

आईआरएल द्वारा जिलों में प्रति वर्ष किए गए निरीक्षण दौरों की सिफारिशो का केन्द्र प्रयोगशालाओं की प्रचालन और तकनीकी समस्याएं होती हैं जिसमें स्टाफ की उपलब्धता, ढांचा, उपयोग में आने वाली वस्तुओं की नियमित आपूर्ति तथा प्रशिक्षण शामिल हैं एवं समस्आयों को सुलझाने के भी सुझाव भी दिये गये।

आई आर एल दल द्वारा जांचे गये डी टी सी

क सं-	छाती क्लीनिक	दौरे की तिथि
1	जी टी बी एच छाती क्लीनिक	09.03.2018
2	बी जे आर एम छाती क्लीनिक	15.03.2018
3	आर के मिशन छाती क्लीनिक	02.05.2018
4	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक	04.05.2018
5	शाहदरा छाती क्लीनिक	10.05.2018
6	हेडगेवार छाती क्लीनिक	11.05.2018
7	पटपड़गंज छाती क्लीनिक	15.05.2018
8	झंडेवालान छाती क्लीनिक	07.06.2018
9	करावल नगर छाती क्लीनिक	08.06.2018
10	लोकनायक हस्पताल छाती क्लीनिक	21.06.2018
11	एस पी एम छाती क्लीनिक	22.06.2018
12	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक	17.07.2018
13	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक	18.10.2018
14	एस जी एम एच छाती क्लीनिक	22.10.2018
15	आर टी आर एम छाती क्लीनिक	25.10.2018
16	मालवीय नगर छाती क्लीनिक	31.10.2018
17	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक	13.12.2018
18	नरेला छाती क्लीनिक	14.12.2018
19	बी एस ए छाती क्लीनिक	17.12.2018
20	बिजवासन छाती क्लीनिक	24.12.2018
21	एन आई आर टी डी छाती क्लीनिक	30.12.2018

दवा प्रतिरोधक क्षयरोग कियाकलापों का कार्यबद्ध प्रबंधन (पीएमडीटी)

प्रयोगशाला को लाइन प्रोब एसे, सॉलिड एवं लिक्विड तथा डीएसटी के लिए सीटीडी से प्रमाणन मिला है। वर्तमान में दिल्ली में पीएमडीटी के अंतर्गत 08 चैस्ट क्लीनिकों से निदान के लिए थूक के नमूने और 17 चैस्ट क्लीनिकों से आगे के परीक्षण के लिए प्राप्त हुए।

पी एम डी टी गतिविधियां अप्रैल 2018 – मार्च 2019 के दौरान की गयी

(कल्चर एवं डीएसटी नमूनों पर की गयी कार्यवाही)

तिमाही 2018–19	निदान हेतु थूक के संचारित नमूने	संचारित अनुवर्तन नमूने	एलपीए डीएसटी निश्पन्न	द्रव्य डीएसटी किये गये	एच आर सुग्राह्मता	एच आर प्रतिरोधी	सिर्फ एच प्रतिरोधी	सिर्फ आर प्रतिरोधी
द्वितीय तिमाही 2017	770	1968	1669	80	1305	113	134	10
तृतीय तिमाही 2017	823	2284	2275	53	1819	98	164	12
चतुर्थ तिमाही 2017	432	2311	1514	1	1271	46	103	4
प्रथम तिमाही 2018	561	2500	1331	8	1154	46	98	3
कुल	**2586**	**9063**	**6789**	**142**	**5549**	**303**	**499**	**29**

सारणी वर्ष 2018–19 के दौरान पीएमडीटी गतिविधियों के तहत हुए प्रयोगशाला जॉचो का विवरण देती है। कुल 2586 थूक नमूनों को जांचा गया जिनमें से 303 नमूने एमडीआर एवं 29 रिफ मोनो प्रतिरोधी पाये गये।

प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण अनुभाग

संस्थान विभिन्न चिकित्सकीय और अर्ध चिकित्सकीय कार्मिकों को प्रशिक्षण देने का कार्य करता है। ये कार्मिक संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) के अंतर्गत नीति के कार्यान्वयन के लिए दिल्ली और देश के अन्य राज्यों से प्रशिक्षण हेतु आते हैं। संस्थान द्वारा मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और पटेल चैस्ट क्लीनिक के डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों और अर्धचिकित्सकीय कार्मिकों (डॉट प्रदाता, एसटीएस, डीईओ, प्रयोगशाला तकनीकशियन, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन, उपचार प्रबंधकर्त्ताओं तथा वरिष्ठ उपचार निरीक्षक) के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जा चुके हैं। अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग, लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल, सफदरजंग हस्पताल, राजकुमारी अमृतकौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग के विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वर्ष के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

प्रशिक्षण गतिविधियां

वर्ष के दौरान, 98 दिनों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिसमें 1995 कर्मियों को आरएनटीसीपी के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया, जिसमें 81 सत्र शामिल हैं। आरएनटीसीपीके विभिन्न पहलुओं, निदान, प्रबंधन, प्रशिक्षण के दौरान रोगियों को प्रशिक्षण के दौरान मॉड्यूल और प्रशिक्षण के रूप में सिखाया जाता है। प्रशिक्षण का विवरण नीचे दिया गया है:

सारणी: 01 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक नई दिल्ली टीबी केंद्र (एसटीडीसी) में आयोजित प्रशिक्षण / जागरूकता कार्यक्रम का विवरण

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
1	पीएमडीटी के संशोधित दिशानिर्देशों पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण	09.04.2018	10.04.2018	2	21
2	आरएनटीसीपी के तहत सीबीएनएएटी पर लैब तकनीशियन और चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	10.04.2018	10.04.2018	1	4
3	दिल्ली राज्यके चेस्ट क्लिनिक के लिए डीबीटी और पीएफएमएस पर डीटीओ और डीईओ के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	11.04.2018	11.04.2018	1	35
4	आरएनटीसीपी के तहत वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक दिन का	11.04.2018	11.04.2018	1	5

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
	आरएनटीसीपी जागरूकता				
5	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी (दूसराबैच) के लिए पीएमडीटीके संशोधित दिशानिर्देशों पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण	12.04.2018	13.04.2018	2	25
6	दक्षिण भारत के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	12.04.2018	12.04.2018	1	32
7	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से मेडिकल प्रशिक्षु के लिए एक दिन का आरएनटीसीपीजागरूकता कार्यक्रम	13.04.2018	13.04.2018	1	32
8	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपीके लिए पीएमडीटीपर संशोधित दिशानिर्देशों पर एसटीएसके लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	16.04.2018	16.04.2018	1	26
9	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी (दूसरा बैच) के लिए पीएमडीटी पर संशोधित दिशानिर्देशों पर एसटीएस के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	17.04.2018	17.04.2018	1	16
10	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षु के लिए एक दिन का आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	18.04.2018	18.04.2018	1	23
11	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपीके लिए पीएमडीटीपर संशोधित दिशानिर्देशों पर एसटीएलएसके लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	19.04.2018	19.04.2018	1	20
12	दल्ली राज्य आरएनटीसीपीके लिए पीएमडीटीपर संशोधित दिशानिर्देशों पर एसटीएलएसके लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण (दूसरा बैच)	20.04.2018	20.04.2018	1	18
13	दिल्ली के चेस्ट क्लिनिक के लिए डीबीटी और डीएफएमएस पर डीटीओ और डीईओ के लिए एक दिन का प्रशिक्षण	23.04.2018	23.04.2018	1	34
14	आरएनटीसीपीके तहत जीएलआरएके लिए फील्ड वर्कर्स के लिए एक दिन काआरएनटीसीपी जागरूकता	23.04.2018	23.04.2018	1	10

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
15	लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	03.05.2018	03.05.2018	1	19
16	आरएनटीसीपी के तहत एक दिवसीय दिल्ली राज्य कार्यशाला सह समीक्षा बैठक	22.05.2018	22.05.2018	1	33
17	तृतीय वर्ष के बीएससी के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	01.06.2018	01.06.2018	1	25
18	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षु के लिए एक दिन का आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	06.06.2018	06.06.2018	1	25
19	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षु के लिए एक दिन का आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	20.06.2018	20.06.2018	1	24
20	परियोजना में तिहाड़ जेल के चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिन का आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम ''जेलों में टीबी देखभाल के लिए रूपरेखा''	19.07.2018	19.07.2018	1	28
21	परियोजना में तिहाड़ जेल के चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिन का आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम ''जेलों में टीबी देखभाल की रूपरेखा''	20.07.2018	20.07.2018	1	29
22	डाक सेवा विभाग के साथ सप्यूटम ट्रांसपोर्ट मैकेनिजम के संबंध में एक दिवसीय जागरूकता सह बैठक	24.07.2018	24.07.2018	1	10
23	जेलों में टीबी देखभाल के लिए एक दिवसीय जागरूकता(स्वास्थ्य कार्यकर्ता)	27.07.2018	27.07.2018	1	37
24	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	02.08.2018	02.08.2018	1	15
25	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन	03.08.2018	03.08.2018	1	24

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
	का पुनर्प्रशिक्षण				
26	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	06.08.2018	06.08.2018	1	24
27	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	08.08.2018	08.08.2018	1	23
28	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षुओं के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरुकता कार्यक्रम	08.08.2018	08.08.2018	1	24
29	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	13.08.2018	13.08.2018	1	23
30	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	16.08.2018	16.08.2018	1	23
31	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षुओं के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरुकता कार्यक्रम	17.08.2018	17.08.2018	1	26
32	आरएनटीसीपी के तहत पीएमडीटी समिति के लिए एक दिवसीय बैठक	20.08.2018	20.08.2018	1	9
33	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	21.08.2018	21.08.2018	1	26
34	तिहाड़ जेल के कैदियों के बीच सक्रिय मामले के लिए मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए एक दिन की जागरूकता	21.08.2018	21.08.2018	1	104
35	आरएनटीसीपी के तहत दिल्ली राज्य में डाकघर द्वारा ''स्पुतम नमूना परिवहन और बुकिंग'' के लिए मुख्य परियोजना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	23.08.2018	23.08.2018	1	12
36	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस	24.08.2018	24.8. 2018	1	24

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
	और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण				
37	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	27.08.2018	27.08.2018	1	21
38	दिल्ली राज्य आरएनटीसीपी के एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु एक दिन का पुनर्प्रशिक्षण	30.08.2018	30.08.2018	1	21
39	आरएनटीसीपी दिल्ली राज्य के तहत पीएमडीटी कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला और समीक्षा बैठक	10.09.2018	10.09.2018	1	34
40	नर्सिंग के छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	17.09.2018	17.09.2018	1	21
41	नर्सिंग के गलगोटिया कॉलेज केचौथे वर्ष के बीएससी के छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	4.10.2018	04.10.2018	1	33
42	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल प्रशिक्षुओं के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरुकता कार्यक्रम	10.10.2018	10.10.2019	1	4
43	आरएनटीसीपी के तहत एचएमसी और जामिया हमदर्द से प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक दिन का जागरूकता	15.10.2018	15.10.2018	1	5
44	आरएनटीसीपी के तहत एसटीएलएस के लिए एक दिवसीय निक्षय वी2 प्रशिक्षण	22.10.2018	22.10.2018	1	21
45	आरएनटीसीपी के तहत एसटीएलएस के लिए एक दिवसीय निक्षय वी2 प्रशिक्षण	23.10.2018	23.10.2018	1	21
46	आरएनटीसीपी के तहत एसटीएलएस के लिए एक दिवसीय निक्षय वी2 प्रशिक्षण	25.10.2018	25.10.2018	1	22
47	आरएनटीसीपी के तहत एसटीएलएस के लिए एक दिवसीय निक्षय वी2 प्रशिक्षण	26.10.2018	26.10.2018	1	24
48	होली फैमली हॉस्पिटल के बीएससी के दूसरेवर्ष के नर्सिंग छात्रों के लिए एक	29.10.2018	29.10.2018	1	81

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
	दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम				
49	आरएनटीसीपी के तहत डोट प्लस पर्यवेक्षक के लिए एक दिन का निक्षय वी2 प्रशिक्षण	30.10.2018	30.10.2018	1	28
50	आरएनटीसीपी के तहत निक्षय वी2 पर डेटा एंट्री ऑपरेटर के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	01.11.2018	01.11.2018	1	31
51	आरएनटीसीपी के तहत निक्षय वी2 पर जिला टीबी अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	02.11.2018	02.11.2018	1	19
52	आरएनटीसीपीके तहत निक्षय वी2 पर एसटीएस के लिए एक दिन का प्रशिक्षण	12.11.2018	12.11.2018	1	28
53	नर्सिंग के आरएके कॉलेज के एमएससी के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	19.11.2018	19.11.2018	1	4
54	आरएनटीसीपीके तहत निक्षय वी2 पर एसटीएस के लिए एक दिन का प्रशिक्षण	20.11.2018	20.11.2018	1	16
55	नर्सिंग के आरएके कॉलेज के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	29.11.2018	29.11.2018	1	34
56	डीटीओ और एसटीडीसी और राज्य टीबी सेल अधिकारियों के लिए खरीद और आपूर्ति श्रृंखला और निक्षय आयुषी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	04.12.2018	04.12.2018	1	25
57	नर्सिंग के गलगोटिया कॉलेज केतीसरे वर्ष के बीएससी के छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	04.12.2018	04.12.2018	1	30
58	एमओटीसी और एसटीडीसी और राज्य टीबी सेल अधिकारियों के लिए खरीद और आपूर्ति श्रृंखला और निक्षय आयुषी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	05.12.2018	05.12.2018	1	17
59	एमओटीसी के लिए खरीद और आपूर्ति श्रृंखला और निक्षय आयुषी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	06.12.2018	06.12.2018	1	12

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
60	नर्सिंग के नाइटिंगेल कॉलेज के तीसरे वर्ष के छात्रों के नर्सिंग के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	06.12.2018	06.12.2018	1	52
61	आरएनटीसीपीके तहत स्टोर प्रभारी और एसटीएस के लिएनिक्षय अशुद्धि और आपूर्ति श्रृंखला और खरीद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	11.12.2018	11.12.2018	1	23
62	आरएनटीसीपीके तहत स्टोर प्रभारी और एसटीएस के लिए निक्षय अशुद्धि और आपूर्ति श्रृंखला और खरीद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	12.12.2018	12.12.2018	1	21
63	कॉल सेंटर एक्जीक्यूटिव के लिए व्यक्तिगत रूप से पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर देने के लिए आरएनटीसीपी पर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिएदस दिवसीय प्रशिक्षण	17.12.2018	28.12.2018	10	43
64	आरएनटीसीपीके तहत स्टोर प्रभारी और डीईओ के लिए निक्षय अशुद्धि और आपूर्ति श्रृंखला और खरीद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	18.12.2018	18.12.2018	1	25
65	आरएनटीसीपीके तहत सहायता और डीपीएस के लिए निक्षय अशुद्धि और आपूर्ति श्रृंखला और खरीद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	20.12.2018	20.12.2018	1	31
66	नर्सिंग के नाइटिंगेल कॉलेज के चौथे वर्ष के छात्रों के नर्सिंग के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	08.01.2019	08.01.2019	1	49
67	आरएनटीसीपी के तहत मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबादके प्रयोगशाला तकनीशियन के लिए दस दिनों का प्रशिक्षण	02.01.2019	12.01.2019	10	4
68	आरएनटीसीपी के तहत एक दिवसीय दिल्ली राज्य कार्यशाला सह समीक्षा बैठक	16.01.2019	16.01.2019	1	29
69	नर्सिंग के लेडी रीडिंग कॉलेज बीसीएस केनर्सिंग के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	16.01.2019	16.01.2019	1	40
70	नर्सिंग के लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल से एलएचवी के लिए नर्सिंग छात्रों के लिए एक	07.02.2019	07.02.2019	1	21

क्रम. सं.	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
	दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम				
71	नर्सिंग कॉलेज के बीएससी केदूसरे वर्ष के नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय आरएनटीसीपी जागरूकता कार्यक्रम	08.02.2019	08.02.2019	1	23
72	आरएनटीसीपीके तहत सीबीएनएएटी पर एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	18.02.2019	18.02.2019	1	17
73	आरएनटीसीपीके तहत सीबीएनएएटी पर एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	19.02.2019	19.02.2019	1	19
74	आरएनटीसीपीके तहत सीबीएनएएटी पर एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	21.02.2019	21.02.2019	1	21
75	आरएनटीसीपी की वर्तमान स्थिति के अवलोकन के लिए डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि का दौरा	26.02.2019	26.02.2019	1	23
76	आरएनटीसीपीके तहत सीबीएनएएटी पर एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	28.02.2019	28.02.2019	1	29
78	2018 के लिए राज्य में डीआरटीबीडेटा को साफ करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक	22.03.2019	22.03.2019	1	61
78	2018 के लिए राज्य में डीआरटीबीडेटा को साफ करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक	22.03.2019	22.03.2019	1	
	योग			**98**	**1995**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में वर्ष 2018–19 में संचालित प्रशिक्षण/संवेदीकरण कार्यक्रमों का माह अनुसार विवरण –

माह	चिकित्सा अधिकारी	एस टी एल एस	एस टी एस	तकनीकी अधिकारी/ प० तकनीशियन	डी आर टी बी एवं एच आई वी कोड०	डॉट प्रदाता	डीईओ,	मेडिकल छात्र	नर्सिंग स्टाफ	कुल
अप्रैल 2018	74	38	51	4	0	10	32	60	32	**301**
मई 2018	33	0	0	0	0	0	0	0	19	**52**
जून 2018	0	0	0	0	0	0	0	49	25	**74**
जुलाई 2018	67	0	0	0	0	37	0	0	0	**104**
अगस्त 2018	9	39	0	197	0	104	0	50	0	**399**
सितंबर 2018	34	0	0	0	0	0	0	0	21	**55**
अक्टूबर 2018	46	42	0	5	28	0	0	4	114	**239**
नवंबर 2018	19	0	44	0	0	0	31	0	38	**132**
दिसंबर 2018	77	0	21	0	31	43	25	0	82	**279**
जनवरी 2019	29	0	0	4	0	0	0	0	89	**122**
फरवरी 2019	0	36	0	73	0	0	0	0	44	**153**
मार्च 2019	0	0	0	0	24	0	0	0	61	**85**
कुल	388	155	116	282	83	194	88	163	525	**1995**

संचित तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण

दिल्ली राज्य के आरएनटीसीपी के तहत सभी चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों (लार संरक्षण, उपचार के परिणाम, कार्यक्रम प्रबंधन) का संकलन एवं उसे तैयार करना और उनका फीडबैक लेना, एसटीडीसी की प्रमुख गतिविधियों में एक है। दिल्ली के प्रत्येक चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण किया जाता है और फीडबैक, जिसमें सुधार करने के लिए आवश्यक निर्देश होते हैं, को तैयार किया जाता है तथा जिला के क्षयरोग अधिकारियों के साथ तिमाही समीक्षा बैठक में इस पर चर्चा की जाती है। ऐसी सभी फीडबैक और राज्य की संकलित रिपोर्टो को डीटीओएस को भेजा जाता है और इनकी प्रतियां राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी तथा केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भी भेजी जाती है।

तालिका –दिल्ली राज्य में छाती क्लानिकों का कमवार वार्षिक प्रदर्शन – मामला अधिसूचना 2018–19 में

क सं	छाती क्लीनिक	सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचना	निजी क्षेत्र से अधिसूचना	कुल अधिसूचना (सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र)
1	बिजवासन	1179	441	1620
2	बी जे आर एम	1628	102	1730
3	बी एस ए	2825	5259	8084
4	चैाधरी देसराज	1820	2339	4159
5	डी डी यू एच	3334	513	3847
6	जी टी बी एच	2906	266	3172
7	गुलाबी बाग	744	52	796
8	हैडगेवार	1308	104	1412
9	झंडेवालान	895	313	1208
10	करावल नगर	3831	408	4239
11	के सी सी	2567	269	2836
12	लोकनायक ह	4339	225	4564
13	एनआईटीआरडी	10370	214	10584
14	मालवीय नगर	1485	718	2203
15	मोती नगर	3669	697	4366
16	नरेला	2378	31	2409
17	एन डी एम सी	7716	139	7855
18	नेहरु नगर	4710	1533	6243
19	पटपड़गंज	4549	375	4924
20	आर के मिशन	709	1629	2338
21	आर टी आर एम	1472	78	1550
22	एस जी एम एच	2146	149	2295
23	शाहदरा	2372	412	2784
24	एस पी एम	993	319	1312
25	जे पी अस्पताल	3099	588	3687
	कुल	**73044**	**17173**	**90217**

वर्ष 2018–19 के दौरान, कुल 90217 मामले दिल्ली राज्य में अधिसूचित किये गये जिनमें से 17173 मामले निजी क्षेत्र से एवं 73044 मामले सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचित किये गये ।

स्त्रोत – निकश्य आरएनटीसीपी से प्राप्त आकड़ो के अनुसार

दिल्ली में आरएनटीसीपी के अंतर्गत वर्ष 2018 में पंजीकृत सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से अधिसूचित किये गये नये क्षयरागियों का उपचार परिणाम

छाती क्लीनिक	कुल अधिसूचित	कुल परिणाम	ठीक हुए मामले	मृत्यु	उपचार पूरे मामले	असफल	उपचार रैजिमन बदले मामले	आगे की कार्यवाही भूले मामले	सूचना ना दिये गये मामले
बिजवासन	1298	863	254	29	479	14	3	76	8
बी जे आर एम	1687	1241	394	44	727	5	21	46	4
बी एस ए	2980	1694	437	56	988	16	49	133	15
चैाधरी देसराज	1882	1267	377	34	695	38	33	83	7
डी डी यू एच	3421	1912	568	52	1093	16	61	69	53
जी टी बी एच	3055	1526	430	41	955	2	14	76	8
गुलाबी बाग	757	522	148	21	297	3	10	34	9
हैडगेवार	1391	369	127	15	193	3	9	19	3
झंडेवालान	939	401	107	9	233	3	11	35	3
करावल नगर	4102	2003	461	47	1331	25	29	101	9
के सी सी	2597	1637	463	73	923	14	58	98	8
लोकनायक ह	4722	580	204	37	266	9	27	33	4
एल आर एस	10829	1856	686	101	857	19	65	115	13
मालवीय नगर	5345	2357	823	41	1325	17	52	92	7
मोती नगर	2396	1755	498	37	1020	16	5	178	1
नरेला	8127	2142	543	67	1268	28	79	139	17
एन डी एम सी	4731	2394	692	46	1466	18	46	99	27
नेहरु नगर	4942	1828	503	36	1132	15	34	51	57
पटपड़गंज	724	378	159	13	147	3	34	13	9
आर के मिशन	1539	948	325	31	518	18	22	26	8
आर टी आर एम	2165	1466	331	79	940	6	48	50	12
एस जी एम एच	2371	1396	341	45	852	3	29	111	15
शाहदरा	988	658	178	23	382	19	7	48	1
एस पी एम	3116	1165	352	17	690	9	47	39	11
जे पी अस्पताल	**76104**	**32358**	**9401**	**994**	**18777**	**319**	**793**	**1764**	**309**

स्त्रोत – निकश्य आरएनटीसीपी से प्राप्त आकड़ो के अनुसार

वर्ष 2018 में, दिल्ली राज्य में 76104 क्षयरोगी मामले अधिसूचित किये गये जिनमें से 32358 मामले पंजीकृत हुए जो चिकित्सकीय निदान वाले पुष्टिकृत मामले थे। कुल मिलाकर 28178 (87.1 प्र०) के इलाज पूर्ण एवं सफल हुए, 994 (3.7 प्र०) की मृत्यु हुई एवं 319 (0.98 प्र०) मामले उपचार का जवाब देने में असफल रहे।

793 (2.45 प्र०) मामले वो थे जिनका उपचार रैजिमन बदला गया एवं 1764 (5.45 प्र०) मामले आगे की कार्यवाही भूलने के कारण हुए।

निरीक्षणात्मक कार्य

निगरानी और निरीक्षण आरएनटीसीपी का एक मुख्य औजार है। राजकीय क्षयरोग प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र (एसटीडीसी) होने से केंद्र का संकाय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सक्रिय रूप से निगरानी और निरीक्षण करता है।

राज्य आंतरिक मूल्यांकन

सभी चैस्ट क्लीनिकों का आंतरिक मूल्यांकन आरएनटीसीपी के अतंर्गत किया जाने वाला एक महत्त्वपूर्ण कार्य हैं। इस कार्य में क्लीनिक के रिकार्डो, स्टाफ, औषधि भंडार, सूक्ष्मदर्शी से जांच की सुविधाओं तथा वित्तीय पहलुओं का विस्तार से मूल्यांकन किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। दिल्ली के सभी चैस्ट क्लीनिकों के आंतरिक मूल्यांकन दल में एसटीडीसी के निदेशक या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि होते हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार चैस्ट क्लीनिक का दौरा किया :

संकाय	दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	30/1/19 to 1/2/2019	संजय गांधी अस्पताल एवं छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	6/2/19 to 8/2/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक

चेस्ट क्लीनिकों का निरीक्षणात्मक दौरा

वर्ष 2018–19 के दौरान डॉक्टरों ने निम्नलिखित निरीक्षणात्मक दौरे किए। इन डॉक्टरों ने आरएनटीसीपी के अंर्तगत कार्यक्रम की कार्यकारिता को बेहतर करने के लिए अपने इनपुट दिए।

संकाय	दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	04/05/2018	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	10/05/2018	शाहदरा छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	11/05/2018	हेडगेवार छाती क्लीनिक
डा. . के. के. चोपड़ा	14/06/2018	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	22/06/2018	एस पी एम छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	18/10/2018	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	22/10/2018	संजय गांधी अस्पताल एवं छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	25/10/2018	आर टी आर एम छाती क्लीनिक

संकाय	दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	30/10/2018	एन आई आर टी डी छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	31/10/2018	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	28/11/2018	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	29/11/2018	नरेला छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	13/12/2018	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	14/12/2018	नरेला छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	17/12/2018	बी एस ए छाती क्लीनिक
डा. शंकर मटटा	24/12/2018	बिजवासन छाती क्लीनिक
डा. . के. के. चोपड़ा	19/2/2019	आर एम एल डाट केन्द्र

पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के वेबसाइट (www.ndtbc.com) पर केन्द्र में विभिन्न सुविधाओं तथा गतिविधियों की जानकारी के साथ–साथ 1940 से संस्थान के प्रकाशनों की सूची भी है। केन्द्र में एक पुस्तकालय है जिसमें क्षयरोगों तथा वक्ष रोगों से जुड़े विभिन्न पक्षों पर 660 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनरल हैं। पुस्तकालय, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और वी पी चैस्ट संस्थान तथा संकाय के सदस्यों को अपनी सेवाएं देता है।

प्रशासन

प्रशासन अनुभाग एनडीटीबी केन्द्र की समस्त कार्यप्रणाली का आधार है। इस विभाग के दो प्रमुख कार्य हैं अर्थात स्थापना एवं लेखा । यह विभाग स्टाफ से संबंधित सभी मामले देखता है और केन्द्र के स्टाफ से संबंधित मामलों पर काम करता है। विभाग प्रशासनिक मामलों की आवश्कताओं को पूरा करता है और भर्ती नियम बनाना, स्टाफ की पदोन्नति, बैठकें आयोजित करना इत्यादि जैसे स्टाफ संबंधी सेवा मामले देखता है। इस विभाग का एक प्रमुख कार्य एनडीटीबी के भवन का रख–रखाव करना है। यह विभाग केन्द्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से बजट और वार्षिक अनुदान की व्यवस्था करता है।

(क) वर्ष 2017–18 के दौरान प्रशासनित अनुभाग की प्रमुख गतिविधियां थी :

1. विभाग ने ओपीडी हॉल का सौन्दर्यीकरण किया।
2. एनएबीएल प्रयोगशाला की आवश्यकताओं के अनुसार प्रयोगशाला का नवीकरण किया।
3. लॉन क्षेत्र को पुनःडिजाइन किया और सौन्दर्यीकरण के लिए पेड़ और फव्वारे लगाए।
4. केन्द्र की सुरक्षा पर नज़र रखने के लिए पूरे भवन मे सीसीटीवी कैमरे लगाए।
5. सुरक्षा गार्डों के लिए गार्ड कक्ष बनाया गया।
6. प्रबंध समिति और डीपीसी तथा एमएसीपी के लिए बैठको की व्यवस्था की।
7. वार्षिक समारोह आयोजित किया गया जिसमें स्टाफ के लिए छात्रों ने सांस्कृतिक गतिविधियां की और लंच दिया गया।

(ख) एनडीटीबी केन्द्र में आगंतुक

1- स्ट्रीम अध्ययन हेतु स्थल निरीक्षण के लिए 4–6 अप्रैल 2018 को एक दल ने एनडीटीबी केन्द्र की प्रयोगशाला का दौरा किया। इस दल में 5 प्रतिनिधि प्रो एंड्यू नन (एमआरसी, यूके), डा केरन सैंडर्स (एमआरसी, यूके), डा गेबरियला टोरॉई (आईटीएम, एंटरैप), डा मीरा गुरूमूर्ति (वाइटल स्ट्रेटजी) और जेन कोमरस्का थे।

2. . मैक्स हस्पताल, साकेत, नई दिल्ली से डा दिलीप कुमार, पैथालॉजिस्ट और डा अनिता चक्रवर्ती, माइक्रोबॉयोलाजिस्ट, माइक्रोबॉयोलाजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज ने एनएबीएल द्वारा प्रत्यायन के स्थल मूल्यांकन के लिए केन्द्र की प्रयोगशाला का दौरा किया।

3. इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसन बेल्जियम से मिस सारा सेंगस्टेक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और मिस क्रियश्चना, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन ने 22 से 26 अक्तूबर 2008 तक केन्द्र का दौरान किया। उन्होंने यह दौरा ट्रीम क्लीनिकल ट्रायल गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण के संचालन के लिए किया।

4. स्टॉप टीबी पार्टनरशिप एवं ग्लोबल ड्रग फैसिलटी के दल ने 18 दिसम्बर 2018 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र का दारा किया। दल ने एनडीटीबी केन्द्र की प्रयोगशाला का दौरा किया और नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के निदेशक के साथ चर्चा की।

5. केपीएमजी जिनेवा से श्री पियरे हेनरी पिनजियॉन ने 16 जनवरी 2019 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रयोगशाला का दौरा किया। उन्हौने यह दौरा आरएनटीसीपी के अंतर्गत प्रयोगशाला गतिविधियों को समझने के लिए किया।

6. द ग्लोबल फंड के दल ने ग्लोबल फंड स्ट्रेटजी और स्थल दौरे के लिए 5 से 7 फरवरी 2019 तक भारत का दौरा किया। इस दल में 22 प्रतिनिधि थे जिसमें विभिन्न देशों के तीन मंत्री थे । दल ने स्थल निरीक्षण के लिए 7 फरवरी 2019 को केन्द्र का दौरा किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एसटीडीसी और दिल्ली राज्य की आईआरएल की गतिविधियां सामने रखी।

7. विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय, जिनेवा के दल ने 26 फरवरी 2019 को एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया। यह दौरा दवा प्रतिरोधी क्षयरोग प्रबंधन संबंधी विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्पेशल रेपिड कम्यूनिकेशन द्वारा क्षयरोग नियंत्रण नीति के बारे में भारत से फीडबैक लेने के लिए किया गया।

ग) <u>अनुदान</u>

1. वर्ष 2018–19 के दौरान, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 472 लाख रुपये का वार्षिक आवर्ती वेतन अनुदान तथा 46,000/– रुपये का साधारण सहायता अनुदान जारी किया।
2. वार्षिक अनुदान के रुप में भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा 10,000/– रुपये प्रदान किये गये।

घ) <u>दान</u>

दवाईयों के लिये प्राप्त दान

(भारतीय क्षयरोग संघ

के माध्यम से)

– अनार सिंह चंचल सिंह स्मारक निधि	12,240/– रुपये
– श्रीमती राम प्यारी दत्त स्मारक निधि	
– दान, बचत खाता पर ब्याज तथा सावधिक जमा रिजर्व	43,772/– रुपये
कुल	56,012/– रुपये

ड) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

वर्ष 2016–17 के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत 11 अर्जियां प्राप्त की गयी। नीचें दी गयी सारणी में प्राप्त एवं निष्पादित अर्जियों का ब्यौरा है।

क्रम स	मास एवं वर्ष	सूचना का अधिकार अर्जी			अपील			शुल्क राशि
		प्राप्त सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	प्राप्त अपीलों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	
1	अप्रैल 2018	-	-	-	-	-	-	-
2	मई 2018	4	4	-	-	-	-	-
3	जून 2018	3	3	-	-	-	-	-
4	जुलाई 2018	-	-	-	-	-	-	-
5	अगस्त 2018	-	-	-	-	-	-	-
6	सितंबर 2018	1	1	-	-	-	-	-
7	अक्टूबर 2018	-	-	-	-	-	-	-
8	नवंबर 2018	1	1	-	-	-	-	-
9	दिसंबर 2018	-	-	-	-	-	-	-
10.	जनवरी 2018	-	-	-	-	-	-	-
11.	फरवरी 2018	1	1	-	-	-	-	-
12.	मार्च 2018	1	1	-	-	-	-	-
कुल	2018-19	11	11	-	-	-	-	-

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार

वार्षिक सांख्यिकी के ब्यौरे निम्नलिखित है –

बाह्यरोगी उपस्थिति

पंजीकृत नवीन बाह्यरोगियों	11847
रोगियों का पुनरागमन	11884
बह्यरोगियों की कुल उपस्थिति	23731

डॉट क्लीनिक उपस्थिति

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में नये मरीज डॉट केन्द्र में	94
कुल मरीज (2017–18) में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के डॉट केन्द्र में	209

विशेष क्लीनिकों में उपस्थिति

विशेष क्लीनिकों में (क्षयरोग एवं मधुमेह, एच आई वी एवं क्षयरोग, सी ओ ए डी एवं तंबाकू संकम्रण क्लीनिक एवं पुराने मामले)	1283

प्रयोगशाला परीक्षण

1	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	**49468**
2	स्मीयर माइक्रोस्कोपी	22206
3	कल्चर जांच अ) ठोस कल्चर ब) तरल कल्चर	 1253 13311
4	दवा संवेदनशीलता परीक्षण अ) तरल कल्चर विधि द्वारा ब) एल पी ए द्वारा	 1101 10499
5	सीबीएनएएटी	1098

ट्यूबरक्लीन त्वचा परीक्षण

कुल ट्यूबरक्लीन त्वचा परीक्षण	10318
पठित परीक्षण	9175
रीएक्टर्स (>10 एम एम)	4293
गैर–रीएक्टर्स (<10 एम एम)	4882

विकिरण परीक्षण

विकिरण परीक्षण	1914

प्रशिक्षण/मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरे/प्रकाशन

प्रशिक्षित कार्मिक	1995
छाती क्लीनिकों का पर्यवेक्षण तथा मानिटरिंग एवं आंतरिक आकलन	19
इ क्यू ए हेतु छाती क्लीनिकों का मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरा	21
शोध एवं प्रकाशन	16

<u>स्वतंत्र ऑडिट रिपोर्ट</u>

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र
के सभी सदस्या ेंको

वित्तीय ब्यौरों पर रिपोर्ट सम्मति

हमने **नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र** के संलग्न वित्तीय ब्यौरों का ऑडिट किया है जिसमें 31 मार्च 2019 तक का तुलन–पत्र, उस समाप्त वर्ष के आय–व्यय तथा आय व भुगतान का ब्यौरा तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी है।

हमारे अभिमत और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए ब्यौरों के अनुसार जो कि लेखानीतियों और अन्य विवरणात्मक जानकारी (नोट सं.18) के साथ पठित है, संलग्न वित्तीय ब्यौरे लागू कानून के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से तथा भारत मे ें31 मार्च 2019 को केन्द्र के विषयों में सामान्यतः स्वीकार्य अन्य लेखा सिद्धांतों और उस तिथि को समाप्त वर्ष को उसके अधिशेष के अनुरूप तैयार किया गया है जो उसका सही और उपयुक्त अवलोकन देता है।

सम्मति का आधार

हमने अपना ऑडिट ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के अंतर्गत ऑडिटर के दायित्वों का विवरण हमारी रिपोर्ट मे वित्तीय ब्यौरों के ऑडिट हेतु ऑडिटर के दायित्व खंड में दिया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी नीतिसंहिता और उसके साथ उन नीतिसंहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वतंत्र संगठन है जोकि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय ब्यौरों के हमारेऑडिट हेतु प्रासंगिक है, और इन अपेक्षाओं और नैतिकता के अनुसार हमन अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य लिए हैं वह हमारी सम्मति का आधार देने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय ब्यौरों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों, जहा ंतक लागू हैं, के अनुसार केन्द्र की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय कार्यकारिता का सही और उपयुक्त अवलोकन देता है। इन दायित्वों में डिजाइन क्रियान्वयन एवं उन वित्तीय ब्यौरों को तैयार एवं प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक भीतरी नियंत्रण का रख–रखाव शामिल है जो सही एवं उपयुक्त अवलोकन दे तथा धोखे अथवा भूलवश कारणों से होने वाले वस्तुगतगलत विवरण से रहित हो ।

वित्तीय ब्यौरों के लिए ऑडिटर का उत्तरदायित्व

हमारा दायित्व इन वित्तीय ब्यौरों पर सम्मति व्यक्त करना है जिसका आधार हमारा ऑडिट है। हमने अपना ऑडिट इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। उन मानकों में यह अपेक्षित है कि नैतिक अपेक्षाओं का पालन हो और ऑडिट का नियोजन एवं क्रियान्वयन ऐसा हा जिससे कि वस्तुगत गलत विवरण से रहित वित्तीय ब्यौरों संबंधी उपयुक्त आश्वासन सुनिश्चित हो।

ऑडिट में वित्तीय ब्यौरौं में राशि तथा प्रकटीकरण संबंधी ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। इसके लिए चुनी गई प्रक्रिया ऑडिट के निर्णय पर निर्भर है जिसमें धोखेवश या भूलवश वित्तीय ब्यौरों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन करना शामिल है। इन जोखिम आकलनों में ऑडिटर उन आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखता है जो वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने तथा उनके सही प्रस्तुतीकरण में मूल से संबंधित होते है जिससे कि उपयुक्त ऑडिट प्रक्रिया तैयार की जा सके लेकिन यह प्रक्रिया संगठन के आंतरिक नियंत्रणा की प्रभावकारिता पर सम्मति व्यक्त करने के लिए नहीं है। प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा लेखाविधि के अनुमान की विश्वसनीयता का आकलन करना तथा वित्तीय ब्यौरों का समग्र प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन करना भी ऑडिट भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर्याप्त और उपयुक्त जिसके आधार पर हमने अपनी ऑडिट सम्ममति दी है।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वह सभी जानकारी और निरूपण लिया है जो कि हमारे ऑडिट के लिए आवश्यक था;

ख) हमारी सम्मति में विधि द्वारा आवश्यक लेखा बहियों को अब तक केन्द्र द्वारा रखा जा रहा है जैसा कि उन बहियों की जांच से प्रतीत होता है;

ग) इस रिपोर्ट में आने वाले तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारी सम्मति में तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी, यथा लागू, लेखाविधि के मानकों के अनुरूप हैं।

ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कं.
चोर्टिड अकांउटेंटस
एफआरएन : 000038N

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
मो नं. 088722

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 05–10–2019

ubl fnYyh {k;jkx dUn

31 ekp 2019 dk fLFkfr d vu|lkj r|yu i=

	l|ph	31 ekp 2019 dk ¼#½ (Rs.)	31 ekp 2018 dk ¼#½ (Rs.)
fuf/k d L=kr			
सम्पति निधि	**1**	2,977,034	2,998,654
नियत आरक्षित निधि	**2**	1,177,632	1,325,237
अक्षय परियोजना निधि	**3**	792,228	1,432,274
चालू देयताएं और प्रावधान	**4**	9,837,677	5,266,010
कुल अधिशेष/धाटा		(254,135)	(344,775)
d|y		**14,530,436**	**10,677,400**
fuf/k d mi;kx			
अचल संपतियां	**5**	2,977,034	2,998,654
चालू संपतियां, उधार व अग्रिम	**6**		
– भंडार एवं जमा		157,335	127,129
– नकद एवं बैंक शेष		11,200,500	7,376,000
स्त्रोत पर कटा वसूली टैक्स		195,567	175,617
d|y		**14,530,436**	**10,677,400**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी	**18**		

सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 17 तक

रिपोर्ट संलग्न

Bkdj o/kukFk v;;j ,.M d-
lunh y[kkdkj
,Qvkj,u u & 000038,u

	प्रशासनिक अधिकारी (एस के सैनी)	निदेशक (डा॰ के के चोपडा)
(अनिल के ठाकुर) साझेदार	वित्तीय सलाहाकार (डा॰ वी के अरोडा)	अध्यक्ष (डा॰ एल एस चौहान)

एम न. 088722

स्थानः नई दिल्ली

तिथिः 05.10.2019

ubl fnYyh {k;jkx dUnz

31 ekpZ 2018 dks lekIr gq, o"kZ dh vk; vkSj O;; ys[kk dk O;kSjk

	lwph	o"kZ 2018-19 ¼#½	o"kZ 2017-18 ¼#½
vk;			
रख रखाव अनुदान भारत सरकार से			
अनुदान – वेतन		47,200,000	45,100,000
अनुदान – साधारण		4,600,000	4,000,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		10,000	10,000
मरीजों से शुल्क	**7**	157,500	204,500
विविध प्राप्तियाँ			
– ब्याज आय		199,499	292,284
– विविध प्राप्तियाँ		70,000	106,010
dqy		**52,236,999**	**49,712,794**
O;;			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते	**8**	47,377,522	45,212,355
प्रशासनिक खर्चे	**9**	4,399,360	4,797,027
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च	**10**	369,477	358,780
dqy		**52,146,359**	**50,368,162**
(घाटा)/अधिशेष वर्ष में		**90,640**	**(655,368)**
घटा/(जमा) : पिछले लेखानुसार शेष निधि		(344,775)	310,593
		(254,135)	**(344,775)**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी — **18**

सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 17 तक

रिपोर्ट संलग्न

Bkdqj oS/kukFk v;;j ,.M d-
lunh ys[kkdkj
,Qvkj,u ua & 000038,u

	प्रशासनिक अधिकारी (एस के सैनी)	निदेशक (डा॰ के के चोपडा)
(अनिल के ठाकुर) साझेदार	वित्तीय सलाहाकार (डा॰ वी के अरोडा)	अध्यक्ष (डा॰ एल एस चौहान)

एम न. 088722

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 05.10.2019

ubl fnYyh {k;jkx dUn

31 ekpl 2019 dk lekIr g, o"kl e ikfIr ,o Hkxrku y[kk

ikfIr	lph	o"kl 2018&2019 dl fy;s ¼#½	o"kl 2017&2018 dl fy;s ¼#½
प्रारम्भिक रोकड व बैंक निधि	**6**	7,376,000	6,119,512
vunku %			
– आवर्ती अनुदान भारत सरकार से			
– आवर्ती अनुदान वेतन		47,200,000	45,100,000
– आवर्ती अनुदान साधारण		4,600,000	4,000,000
– रखरखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		10,000	10,000
मरीजों से शुल्क	**7**	157,500	204,500
भारतीय क्षयरोग संघ से प्राप्ति	**11**	11,100,694	2,712,000
अन्य प्राप्तियां	**12**	1,483,945	487,317
dy		**71,928,139**	**58,633,329**
Hkxrku			
कर्मचारी खर्चे	**13**	42,961,343	43,113,137
प्रशासनिक खर्चे	**14**	4,397,807	4,778,679
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरजको प	**15**	395,023	372,216
भारतीय क्षयरोग संघ निधि से भुगतान	**16**	11,100,694	2,712,000
अन्य भुगतान	**17**	1,872,772	281,297
समापन रोकड व बैंक निधि	**6**	11,200,500	7,376,000
dy		**71,928,139**	**58,633,329**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी | **18**

सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 17 तक

रिपोर्ट संलग्न

Bkdj o/kukFk v;;j ,.M d-
lunh y[kkdkj
,Qvkj,u u & 000038,u

प्रशासनिक अधिकारी
(एस के सैनी)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

अध्यक्ष
(डा॰ एल एस चौहान)

एम न. 088722

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 05.10.2019

ubl fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&1

lEifr fuf/k

	31—3—2019 को	1—3—2018 को
	(रु)	(रु)
पिछले वर्ष का शेष	2,998,654	3,372,606
जमा – वर्ष में वृद्वियाँ सम्पति प्राप्ति के लिये अधिग्रहण (अनुसूची 5 में उल्लेख)	999,639	32,170
	3,998,293	3,404,776
घटाए		
वर्ष के दौरान निपटान	659,855	
वर्ष के दौरान ह्यस (अनुसूची 5 में उल्लेख)	361,404	406,122
dqy	**2,977,034**	**2,998,654**

ubl fnYyh {k;jkx dUnz

lph&2

fu?kkfjr fuf/k

	i;kx e u yk;k x;k 'k"k 1.4.2018 dk	o"k d nkjku ikflr@ LFkkurj.k	C;kt	dy	o"k d nkjku mi;kx	mi;kx u fd;k x;k 'k"k 31.3.2019 dk
	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)
सामान्य दान	429,654	56,566	43,772	529,992	171,572	358,420 -
सभागह निधि	1,008	-	-	1,008	-	1,008 -
गरीब रोगियो के लिए	56,566		-	56,566	56,566	- -
दवाईयाँ	257,125	12,240	-	269,365	32,954	236,411 -
कर्मचारी कल्याण निधि	82,284	-	2,909	85,193	2,000	83,193 -
अनुसंधान निधि	498,600	-	-	498,600	-	498,600 -
dy	**1,325,237**	**68,806**	**46,681**	**1,440,724**	**263,092**	**1,177,632**

ubl fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&3

v{k; ifj;kstuk 'ks"k

	31–3–2019 को (रु)	31–3–2018 को (रु)
अक्षय परियोजना निधि – एसएमएस फार श्योर	-	827,553
अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	107,748	241,500
अक्षय परियोजना निधि – एक्सपर्ट अलटरा	-	363,221
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	249480	
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	225000	
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	210000	
	792,228	**1,432,274**

lwph&4

pkyw ns;rk,a vkSj izko/kku

	31–3–2019 को (रु)	31–3–2018 को (रु)
अग्रिम राशि एवं प्रयोगशाला सेवा	3,160	3,160
वेतन व भत्ते	3,446,054	3,350,242
बोनस	174,745	178,378
अन्य देयताए	34,029	24,780
विविध लेनदार	8,094	11,130
उपदान निधि में अंशदान के लिए प्रावधान	5,991,000	1,667,000
सुरक्षित राशि	72,110	31,320
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	108485	0
dqy	**9,837,677**	**5,266,010**

ubl fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&5

LFkk;h laifr

	1 अपैल 2018 को शेष (रु)	वर्ष के दौरान जमा (रु)	वर्ष के दौरान निकाली गई (रु)	31 मार्च 2019 को शेष (रु)	ह्रास वर्ष के दौरान	शुद्ध कूल संपत्तियाँ 31.03.19 को
भवन	199,232	-	-	199,232	19,923	179,309
विधुत सस्थांपन	644,810	-	-	644,810	64,481	580,329
फर्नीचर, फिटिंग	1,154,082	236,072	46,610	1,343,544	123,730	1,219,814
प्रयोगशाला उपकरण	460,403	-	267,434	192,969	19,297	173,672
एक्सरे उपकरण	404,155	-	229,953	174,202	17,420	156,782
अन्य उपकरण	13,546	-	-	13,546	1,355	12,191
कम्प्यूटर	6,548	-	-	6,548	655	5,893
किताबें	20	-	-	20	8	12
वाहन	115,858	763,567	115,858	763,567	114,535	649,032
dqy	**2,998,654**	**999,639**	**659,855**	**3,338,438**	**361,404**	**2,977,034**
पिछले वर्ष	3,518,730	305,056		3,823,786	451,180	3,372,606

वर्ष 2018–19 के दौरान निश्चित परिसंपतियों के विस्तार का विवरण

खरीद की तारीख	मद संख्या	संख्या	मात्रा (रु)
02.05.2018	डीजायर कार	1	763,567
16.07.2018	ईपीबीएक्स प्रणाली	1	23,600
16.10.2018	सीसीटीवी प्रणाली	1	171,572
30.03.2019	प्रक्षेपक	1	40,900
			999,639

ubl fnYYh {k;jksx dsUnz

	31–3–2019 को	1–3–2018 को
	(रु)	(रु)
lwph&6		
¼v½pkyw ifjlEifr;k¡ m/kkj ,oa vfxze		
Hk.Mkj esa		
ykxr ewY; ij		
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
एक्सरें फिल्में और रसायन		17,150
प्रयोगशाला रंजक, रसायन और काँच के बरतन	20,863	109,979
	136,472	
mi dqy&,	**157,335**	**127,129**
¼c½udnh ,oa cSad tek jkf'k		
हाथ रोकड	3,812	162
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
बैंक आफ इडिया चालू खाता	10,040,955	6,072,500
बचत खाता में		
बैंक आफ इडिंया –नियत दान खाता	1,072,540	1,221,054
बैंक आफ इडिंया – कर्मचारी कल्याण निधि	83,193	82,284
mi dqy&c	**11,200,500**	**7,376,000**
ldy dqy&, o c	**11,357,835**	**7,503,129**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

lph&7

ejhtk ls 'kYd

	vfxe 'kYd 01.04.18 (Rs.)	o"k d nkjku ikIr 'kYd (Rs.)	tkM & vfxe 'kYd lek;kftr o"k d nkjku (Rs.)	'kYd 2018-19 o"k d fy, (Rs.)	vfxe 31.03.2019 dk (Rs.)
प्रयोगशाला प्रभार	3,160	157,500	-	157,500	3,160
एक्सरे प्रभार	-	-	-	-	-
dy	**3,160**	**157,500**	**-**	**157,500**	**3,160**

ubZ fnYyh {k;jksx dsUnz

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)

lwph&8

osru o vU; deZpkjh [kpZ

	2018-19	2017-18
वेतन	26,607,881	28,200,386
मंहगाई भत्ता	2,365,295	3,407,806
मकान किराया भत्ता	5,904,204	5,084,293
यातायात भत्ता	1,871,780	1,829,355
अन्य भत्ते	1,212,645	983,310
बाल शिक्षा भत्ता	388,333	430,632
भविष्य निधि में अंशदान	2,804,791	3,053,167
उपदान निधि में अंशदान	5,991,000	1,667,000
बोनस	174,745	178,378
यात्रा रियायती भत्ता	56,848	378,028
dqy	**47,377,522**	**45,212,355**

lwph&9

iz'kklfud O;;

	2018-19	2017-18
सुरक्षा एवं हाउसकीपिंग शुल्क	1,402,892	1,127,316
सुरक्षा शुल्क	1,103,392	896,511
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता	280,452	262,943
यात्रा खर्च व किराया	102,769	102,998
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत	154,517	168,824
एक्सरे उपकरणों की मरम्मत	46,545	44,903
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत	138,365	111,517
टेलीफोन खर्चे	138,074	111,955
म्रुदण और लेखन सामग्री	135,813	117,115
डाक खर्चे	5,905	4,932
धुलाई खर्च	7,135	6,580
कार रख–रखाव	35,482	65,756
लेखा परीक्षा शुल्क	24,780	24,780
विभिन्न खर्चे	128,653	140,299
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन	322,970	692,503
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत	179,665	554,590
वार्षिक दिवस खर्चे	53,961	37,838
फर्नीचर – बडी मरम्मत	137,990	325,667
dqy	**4,399,360**	**4,797,027**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

		वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)

lph&10

,Dlj fQYe] nokbl;k] vk"kf/k;k vkj ils;kx'kkyk vfHkjtd

nokbl;k vkj vk"kf/k;k			
अधशेष भंडार 1–4–2018 को	-		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	64,512		
	64,512		
घटाए – इतिशेष भण्डार	-		
		64,512	63,524
,Dlj fQYe o jlk;u			
अधशेष भंडार 1–4–2018 को	17,150		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	89,911		
	107,061		
घटाए – इतिशेष भण्डार	20,863		
		86,198	126,270
il;kx'kkyk vfHkjtd] jlk;u vkj dkp dk crlu			
अधशेष भंडार 1–4–2018 को	109,979		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	245,260		
	355,239		
घटाए – इतिशेष भण्डार	136,472	218,767	168,986
mi;kx leku	**dy**	**369,477**	**358,780**

-

ubl fnYyh {k;jkx dUn

lwph&11

izkfIr;ka Vh , vkbl fuf/k ls

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
भविष्य निधि अग्रिम	5,144,000	1,712,000
उपदान निधि के लिए भुगतान	1,810,960	1,000,000
भविष्य निधि के लिये भुगतान	4,145,734	
dqy	**11,100,694**	**2,712,000**

lwph&12

vU; izkfIr;k

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
त्यौहार अग्रिम की वसूली	-	36,000
दवाईयों के लिए दान	12,240	12,240
कर्मचारी कल्याण निधि	2,909	3,232
परिवर्तनशील स्थायी जमा पर ब्याज	179,549	262,974
बचत जमा खाते पर ब्याज (नियत आरक्षित निधि)	43,772	41,861
विविध प्राप्तियॉ	70,000	106,010
बयाना	52,000	25,000
सुरक्षा जमा	72,110	-
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	366,885	-
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	249,480	-
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	225,000	-
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	210,000	-
dqy	**1,483,945**	**487,317**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

I ph&13

depkjh [kp

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
वेतन	26,648,105	27,011,740
मंहगाई भत्ता	2,224,011	4,240,706
मकान किराया भत्ता	5,913,060	4,838,203
यातायात भत्ता	1,870,096	1,819,051
अन्य भत्ते	1,220,765	993,395
बाल शिक्षा भत्ता	388,333	430,632
भविष्य निधि में अंशदान	2,794,747	3,016,498
उपदान निधि में अंशदान	1,667,000	205,000
बोनस	178,378	179,884
यात्रा रियायती भत्ता	56,848	378,028
dy	**42,961,343**	**43,113,137**

I ph&14

i'kklfud [kp

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
सुरक्षा और सतर्कता शुल्क	1,402,892	1,127,316
सतर्कता शुल्क	1,103,392	896,511
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता	280,452	262,943
यात्रा खर्च व किराया	102,769	102,998
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत	154,517	168,824
एक्सरे उपकरणों की मरम्मत	46,545	44,903
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत	138,365	113,768
टेलीफोन खर्चे	128,825	119,842
म्रुदण और लेखन सामग्री	135,813	117,115
डाक खर्चे	5,905	4,932
धुलाई खर्च	7,135	6,580
कार रख–रखाव	43,178	68,590
लेखा परीक्षा शुल्क	24,780	24,780
विभिन्न खर्चे	128,653	105,163
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन	322,970	661,183
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत	179,665	554,590
वार्षिक दिवस खर्चे	53,961	37,838
विजापन	-	31,356
फर्नीचर	137,990	325,667
कपडे एवं बिस्तर	-	3,780
dy	**4,397,807**	**4,778,679**

ubl fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&15

,Dlj fQYe] nokbZ;k] vkS"kf/k;k vkSj iz;ksx'kkyk vfHkdjad

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
एक्सरे फिल्में व रसायन		116,936
दवाईयां और औषधियाँ	61,152	63,524
प्रयोगशाला अभिरंजक और रसायन	243,960	191,756
	89,911	
dqy	**395,023**	**372,216**

lwph&16

Hkqxrku Vh , vkbZ fuf/k ls

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
भविष्य निधि अग्रिम	5,144,000	1,712,000
उपदान निधि के लिए भुगतान	1,810,960	1,000,000
भविष्य निधि के लिये भुगतान	4,145,734	
dqy	**11,100,694**	**2,712,000**

lwph&17

vU; Hkqxrku

	वर्ष 2018-19 (रु)	वर्ष 2017-18 (रु)
अग्रिम धन	52,000	25,000
कर्मचारी कल्याण निधि	2,000	7,384
दवाईयों के लिये दान	32,954	37,062
साधारण दान	171,572	-
परियोजना – एसएमएस फार श्योर	827,553	101,600
परियोजना – क्षयरोग अधिसूचना में तेजी	-	80,921
परियोजना – एक्सपर्ट अलटरा	363,221	-
सुरक्षा जमा	31,320	29,330
जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा	133,752	-
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	258,400	
dqy	**1,872,772**	**281,297**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

vuqc/k ¼31 ekpZ 2019 dk vr gq, o"kZ dk½

		अनुदान – वेतन	अनुदान – साधारण
		(रु)	(रु)
vk;			
प्रारम्भिक अधिशेष / घाटा (1–4–2018)		558	(345,333)
भारत सरकार से अनुदान		47,200,000	4,600,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		-	10,000
मरीजों से शुल्क		-	157,500
ब्याज आय		-	199,499
विविध प्राप्तियाँ		-	70,000
	dqy	**47,200,558**	**4,691,666**
0;;			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते		47,377,522	-
प्रशासनिक खर्चे		-	4,399,360
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च		-	369,477
	dqy	**47,377,522**	**4,768,837**
अधिशेष / घाटा		**(176,964)**	**(77,171)**
कुल अधिशेष 31–3–2019 को			**(254,135)**

ubl fnYyh {k;jkx dUn] ubl fnYyh

I ph&18

egRoi.k y[kkdu uhfr;k rFkk y[kkvk dh fVIi.kh

v½ egRoi.k y[kkdu uhfr;k

1 y[kkdu dk vk/kkj

यह वितिय विवरण एकरुपता एवं सरोकार को ध्यान में रखते हुए देयता (सिवाय विशेष रुप से छोडकर जो कहा गया है) एवं ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के तहत एवं समान्य रुप से लेखाकंन मान्यताओं जो भारत में है उनके के आधार पर तैयार की गयी है।

2 vuqeku d mi;kx

भारत में जीएएपी के आधार पर वित्तीय विवरणों की तैयारी का अनुमान है और मान्यताओं को बनाने के लिये प्रबंधन की आवश्यकता है जहां पर जरुरी है एवं जो संपति और देनदारियों और वितीय बयान की तारीख के रुप में आकस्मिक देनदारियों की सूचना राशि और वर्ष के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते है। इस तरह के अनुमान को किसी भी वर्ष में मान्यता प्राप्त है।

3 jktLo ekU;rk

आय एवं व्यय का ब्यौरा सिवाय छुटटी नकदीकरण के उपचय के आधार पर किया गया है।

4 LFkkbl lEifr ,o eY;ºkl

क) स्थाई सम्पति लागत मूल्य पर दिखाई गई है व दान के रुप में प्राप्त संपति, दान की तारीख के समय व्याप्त अनुमानित बाजार मूल्य पर दिखायी गयी हैं ।

ख) केन्द्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपनी अचल संपतियों पर मूल्यह्रास, आयकर अधिनियम 1961 के तहत निर्धारित दर के आधार पर लगाना शुरु कर दिया है।

ग) इसके अलावा मूल्यह्रास को संबधित फिक्सड परिसंपतियो को सम्पति निधि में डेबित करके दर्शाया गया है।

घ) पूंजीगत मदो मे पाचं हजार तक कि वस्तुओं के क्रय को नही दिखाया गया है।

ड) परिसंपति निधि को आय और व्यय खाते एवं परियोजना निधि को वर्ष के दौरान हासिल की गई स्थायी परिसंपतियों के साथ आकंलित किया गया है।

5 LVkd

प्रयोगशाला अभिरंजक व एक्सरे फिल्में तथा रसायन को पहले आये और पहले गये नियम के आधार पर खरीद मूल्य पर दिखाया गया है (सूची संख्या 3 के संदर्भ में)।

6 minku fuf/k

उपदान निधि के भविष्य भुगतान की देयता भारतीय क्षयरोग संघ के नियमों के अनुसार की गई है एवं भारतीय क्षयरोग संघ के उपदान निधि नियमों के अनुसार भारतीय क्षयरोग संघ की उपदान निधि के पास है।

7 Hkfo"; fuf/k

भारतीय क्षयरोग संघ के भविष्य निधि नियमों के अनुसार, केन्द्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि के खाते भारतीय क्षयरोग संघ के पास रखे जाते है।

8 C;kt l vk;

विशेष कोष के निवेष पर प्राप्त ब्याज आय एवं व्यय लेखे की बजाय विशेष कोष में सीधे जमा की गई हैं।

c½ y[kk fVIi.kh

1 बिजली और पानी का खर्चा आय और व्यय खाते में नहीं दर्शाया गया है क्योंकि बिजली व पानी की सप्लाई लोकनायक अस्पताल से होती है जिसके लिये मई 2018 में कोई मांग नहीं की गयी है।
2 31 मार्च 2019 तक टीडीएस वसूली योग्य रु 195567 है जिसके लिये प्रबंधन कर विभाग से वसूलने का प्रयास कर रहा है।
3 भूमि जिस पर इमारतें स्थित हैं उसका कोई अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है।
4 स्टाक की लागत/ मूल्याकंन प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित एवं सत्यापित।
5 पिछले वर्ष के आंकड़ो को आवयकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

i'kklfud vf/kdkjh — fun'kd

¼,l d luh½ — ¼Mkñ d d pkiMk½

वित्तीय सलाहाकार — vè;{k

¼Mkñ oh d vjkMk½ — ¼Mkñ ,y ,l pkgku½

स्थान : नई दिल्ली

तिथि : 05–10–2019